राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 16 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-320 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आप ने दिल्ली चुनाव के लिए सभी 70 प्रत्याशी घोषित किए

-केजरीवाल नई दिल्ली से तो सीएम आतिशी कालकाजी सीट से

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी चौथी और आखिरी लिस्ट रविवार 15 दिसंबर को जारी कर दी है। इस लिस्ट में 38 नाम शामिल किए गए हैं। इस सूची के अनुसार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ेंगे, जबकि सीएम आतिशी कालकाजी सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगी। सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश और सत्येंद्र जैन शकूर बस्ती से चुनाव लड़ेंगे। आप ने दिल्ली चुनाव घोषित होने से बहुत पहले ही सभी 70 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही आप ने इस बार 26 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे हैं, जबकि चार विधायकों की सीट बदली है। मनीष सिसोदिया की सीट पटपड़गंज से जंगपुरा, राखी बिडलान की मंगोलपुरी से मादीपुर, प्रवीण कुमार की जंगपुरा से जनकपुरी और दुर्गेश पाठक की करावल नगर से राजेंद्रनगर की गई है। यहां बताते चलें कि आम आदमी पार्टी ने 21 नवंबर से लेकर 15 दिसंबर तक चार सूची जारी कीं और सभी 70 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। राजेंद्रनगर सीट 2022 में राघव चड्ढा के राज्यसभा जाने के बाद से खाली थी। आप ने इस बार बदलाव और नए चेहरों पर जोर दिया है, जिसका असर विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा।

कैनेडियन महिला ने पंजाबी गायक पर लगाए गंभीर आरोप, एनआरआई दर्ज

जालंधर। पंजाबी गायक राज जुझार के खिलाफ एक एनआरआई महिला ने मामला दर्ज कराया है। कैनेडियन सिटीजन महिला ने गायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला की शिकायत पर गायक राज जुझार के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। महिला ने बताया कि राज जुझार से उसकी मुलाकात साल 2006 में हुई थी और जुझार ने उसे झांसे में लेकर फंसाया और लाखों रुपये ऐंठ लिए। महिला ने पंजाबी गायक पर और भी गंभीर आरोप लगाए हैं। राज जुझार आपत्तिजनक गाने बनाने को लेकर विवाद में भी पड़ चुके हैं। साल 2018 में उन्होंने एक अज्ञात व्यक्ति से धमकी भरे कॉल मिलने की सूचना पुलिस को दी थी। गायक ने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने प्रशंसकों को जानकारी देते हुए कॉल के बारे में बताया था। राज ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बताते नजर आए थे कि एक स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय, उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया, जिसमें उन्हें अनुचित गीतों के कारण जान से मारने की बात कही गई थी। मामले को लेकर गायक ने खरड़ शहर में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

जम्मू में मादक पदार्थ के साथ पाकिस्तानी ड्रोन जब्त

जम्मू। जम्मू के अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास से सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने करीब आधा किलोग्राम उच्च श्रेणी का मादक पदार्थ ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को जब्त किया है। इस मामले की जानकारी रविवार को सुरक्षा बल के अधिकारियों ने मीडिया को दी है। जानकारी दे रहे अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी ड्रोन अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार से भारत में घुसा था। उक्त ड्रोन को शनिवार देर रात अरनिया सेक्टर स्थित चिनाज सीमा चौकी क्षेत्र से जब्त कर लिया गया है। ड्रोन और मादक पदार्थ बरामदगी की पुष्टि करते हुए बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि जवानों ने शनिवार रात आठ बजकर 10 मिनट पर पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था। इसी के साथ मादक पदार्थ की तस्करी के प्रयास को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ड्रोन से 495 ग्राम मादक पदार्थ भी जब्त किया गया है। अपने एक बयान में अधिकारी ने कहा हा, कि 'बीएसएफ जम्मू के जवानों ने पुन राष्ट्र विरोधी ताकतों के नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया है, जो राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

महाराष्ट्र में महायुति का महाविस्तार

नागपुर में हुआ भव्य शपथ ग्रहण समारोह

नागपुर।

आख़िरकार महाराष्ट्र में महायुति का महाविस्तार हो गया जब रविवार शाम 39 विधायकों को मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। मालूम हो कि विधानसभा चुनाव के नतीजे शनिवार 23 नवंबर को घोषित किए गए। इसके 13 दिन बाद मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। जिसके 10 दिन बाद रविवार को आखिरकार कैबिनेट विस्तार का समय मिल गया। रविवर शाम नागपुर के विधान भवन में भाजपा महायुति का महाविस्तार हो गया और राज्यपाल सी.पी.राधाकृष्णन ने 39 विधायकों को मंत्रिपद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। बीजेपी के 19, शिवसेना के 12 और एनसीपी के 8 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे। इस बीच कई विधायक मंत्री नहीं बनाये जाने से नाराज बताये जा रहे हैं। आने वाले समय मीन उनकी नाराजगी का क्या असर पड़ेगा ये तो वक्त ही बताएगा।

- बीजेपी से इन्होंने ली मंत्री पद की शपथ

बीजेपी से मंत्री पद की शपथ लेने वालों में पंकजा मुंडे, अतुल सावे, चंद्रकांत पाटिल, गिरीश महाजन, राधाकृष्ण विखे पाटिल, संजय सावकारे, नितेश राणे, जयकुमार गोरे, शिवेंद्र राजे भोसले, आशीष शेलार, अशोक उईके, माधुरी मिसाल, पंकज भोईर, मेघना बोर्डिकर, चंद्रशेखर बावनकुल, मंगलप्रभात लोढ़ा, जयकुमार रावल, आकाश पांडुरंग फुंडकर और गणेश नाइक शामिल हैं।

- एनसीपी- शिवसेना से इन्होंने ली शपथ

एनसीपी के विधायक हसल मुश्रीफ, दत्तात्रय भरणे, इंद्रनील नाइक, बाबासाहेब मोहनराव पाटील, नरहरि झिरवाल, माणिकराव कोकाटे, अदिति तटकरे और धनंजय मुंडे ने भी मंत्री पद की शपथ ली है।

जबकि शिवसेना से गुलाबराव पाटिल, आशीष जायसवाल, योगेश कदम, संजय शिरसाट, प्रकाश अबितकर, भरत गोगावले, प्रताप सरनाइक, उदय सामंत, संजय राठौड़, शंभू राज देसाई और दादा भूसे ने शपथ ली है।

- शिंदे शिवसेना का एक विधायक नाराज

मंत्री पद नहीं मिलने पर भंडारा विधानसभा क्षेत्र के शिवसेना (शिंदे) के विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए शिवसेना के उपनेता और विदर्भ संयोजक पद से इस्तीफा दे दिया है। शपथ ग्रहण समारोह से पहले ही शिंदे गुट मंत्री पद को लेकर नाराजगी दिखा रहा था। दरअसल शिंदे गुट में कई लोग मंत्री पद के इच्छुक थे।

वन नेशन, वन इलेक्शन बिल को संशोधित सूची से हटाया, सोमवार को नहीं होगा पेश

नई दिल्ली।

वन नेशन, वन इलेक्शन बिल अब सोमवार को लोकसभा में पेश नहीं होगा। इस बिल को लोकसभा की संशोधित सूची से हटा दिया गया है। पहले इसे सोमवार को पेश किया जाना था, लेकिन अब इसे फाइनेंशियल बिजनेस के पूरा होने के बाद ही संसद के पटल पर रखा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक सरकार लोकसभा स्पीकर की अनुमति के बाद सप्लीमेंट्री लिस्टिंग के जरिए बिल पेश कर सकती है। यह फैसला तब आया जब 12 दिसंबर को कैबिनेट ने बिल को मंजूरी दी थी। लोकसभा में 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा हुई, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और राजनाथ सिंह ने अपनी बात रखी थी। 16 और 17 दिसंबर को इस पर चर्चा राज्यसभा में होगी। संसद का यह शीतकालीन सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ था और 20 दिसंबर को खत्म होगा। यह 129वां संविधान संशोधन बिल है। संविधान में एक नया जोड़ा जाएगा ताकि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकें। अनुच्छेद 83, अनुच्छेद 172 और अनुच्छेद 327 में भी संशोधन किया जाएगा। इसमें द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट-1963, द गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली-1991, और द जम्मू एंड कश्मीर रीऑर्गनाइजेशन एक्ट-2019 को संशोधित किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने पर भी संशोधन की संभावना है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति ने एक देश, एक चुनाव पर अध्ययन के बाद 14 मार्च 2024 को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी दी थी। यह समिति 2 सितंबर 2023 को बनाई गई थी और उसने करीब 191 दिनों में रिपोर्ट तैयार की। बिल की प्रस्तुति की तारीख अभी तय नहीं है, लेकिन यह संसद के मौजूदा सत्र में पेश हो सकता है। सरकार के इस कदम पर विपक्ष और विशेषज्ञों की नजरें टिकी हैं।

ठंड ने यूपी में तोड़ा बीस साल का रिकॉर्ड, किसान की मौत, तापमान 3 डिग्री पहुंचा

बर्फबारी ने बढ़ी ठंड, जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में पारा माइनस में

नई दिल्ली। उत्तर भारत के राज्यों में तेज ठंड का दौर जारी है। यूपी में 20 साल बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह में कोल्डवेव चल रही है। यहां तीसरे या चौथे हफ्ते तक शीतलहर चलती है। तेज ठंड के कारण शनिवार को चित्रकूट के एक किसान की मौत हो गई। यूपी में सबसे ज्यादा ठंड अयोध्या में पड़ रही है। यहां तापमान 3 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं मध्य प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल में 1.5 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में भी रात का पारा 4 डिग्री से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा कि दिसंबर में 10 साल में दूसरी बार इतना कम पारा दर्ज किया गया है। राजस्थान में 11 शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुल 15 शहरों में शनिवार को तापमान 4 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों में 2-3 दिन तक ठंड का दौर जारी रहेगा। रविवार को बिहार-हरियाणा समेत 14 राज्यों में कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब और मध्यप्रदेश में सीवियर कोल्डवेव की चेतावनी दी गई है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में तापमान माइनस में चल रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि बर्फबारी के कारण यहां न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। जोजिला में तापमान माइनस 22 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, श्रीनगर में माइनस 3.4 डिग्री, पहलगाम में माइनस 4.0, गुलमर्ग में माइनस 3.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

अप्रैल 2025 से शुरू होगी जनगणना

14 साल बाद पता लगेगा, आर्थिक प्रगति और जनसंख्या के बारे में

2013 के बाद होगी आर्थिक गणना

नई दिल्ली ।

2011 के बाद अब 2025 में जनगणना होने जा रही है। अप्रैल 2025 से देश में जनगणना शुरू हो सकती है। जनगणना के साथ आर्थिक गणना भी होगी। पिछले 14 सालों में कितनी आबादी बढ़ी है। कितना आर्थिक आधार बढा है। इसकी जानकारी इस जनगणना से निकलकर सामने आएगी। 2014 से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। पिछले 11 वर्षों में कितनी आर्थिक प्रगति हुई है। पहली बार देश को इसकी जानकारी लगेगी। सरकार द्वारा जो दावे किए जा रहे हैं। वहीं जनसंख्या के दौरान जो आर्थिक गणना के आंकड़े होंगे, उन्ही से आर्थिक स्थिति प्रमाणित होगी। वित्त मंत्रालय ने स्थाई समिति को सूचित किया है। सचिवों की समिति ने सातवीं आर्थिक गणना के परिणाम जारी नहीं करने का फैसला किया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 2025 में आर्थिक जनगणना की तैयारी कर रहा है। इसके बाद गैर कृषि क्षेत्र के सभी प्रतिष्ठानों, उनके कर्मचारियों की गणना होगी। देश में छठी आर्थिक गणना के बाद यह पहली गणना होगी। जिसमें 2013 के बाद के आंकड़े स्पष्ट रूप से सामने आएंगे। सरकार ने सातवीं आर्थिक गणना के आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

देश में जो आठवीं आर्थिक गणना हो रही है। उसमें गैर कृषि क्षेत्र की सभी गतिविधियां शामिल की जा रही हैं। जनगणना के साथ हो रही आर्थिक गणना में दुकानों-मकानो मे चल रही आर्थिक गतिविधियों को भी शामिल किया जाएगा। दुकानों और मकानो में गैर रजिस्टर्ड रूप से जो आर्थिक गतिविधियां हो रही हैं। उनमें कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं। इसकी भी जानकारी इस गणना से प्राप्त होगी। जनगणना और आर्थिक गणना में 10 लाख कर्मचारी और 4 लाख से ज्यादा सुपरवाइजर गणना के काम में लगेंगे। इसके पहले पहले आर्थिक गणना 1977 में हुई थी। उसके बाद 1980, 1990, 1998 और 2005 में हुई थी। अंतिम छठी आर्थिक गणना 2013 में हुई थी। जिसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की गई थी। उसके बाद से आर्थिक गणना की कोई रिपोर्ट जारी नहीं हुई है। इस बार जनगणना और आर्थिक गणना के काम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण यह माना जा रहा है, इसमें गलतियां कम होंगी। समय भी कम लगेगा।

पहली बार गांव से लेकर राजधानी तक की आर्थिक गणना मे शामिल

इस बार की आर्थिक गणना पहले की तुलना में कई मायनों में ज्यादा महत्वपूर्ण साबित होगी। इस बार की आर्थिक गणना में राज्य, जिला, गांव और वार्ड स्तर तक की जानकारी का संकलन बेहतर तरीके से संभव होगा। ग्रामीण और शहरी अंचलों के रोजगार को लेकर भी सटीक जानकारी प्राप्त होगी। इस बार जिओ टेंगिग के माध्यम से विकास का ढांचा बनाने में केंद्र एवं राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

वंदे भारत के खाने में मिला कीड़ा

आईआरसीटीसी ने लगाया जुर्माना

प्रयागराज। प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत को जरुरत के मुताबिक सवारियां नहीं मिल रहीं है। जो गिने चुने लोग इसमें सफर करते हैं वे इसकी सेवाओं से संतुष्ट नहीं हैं। यहां आए दिन खाने में कीड़े, कॉकरोच और छिपकलियां मिलने की खबरें आ रहीं हैं। मात्र तीन माह के अंतराल में वाराणसी से नई दिल्ली जा रही वंदे भारत (22415) के अंदर फिर से खाने में कीड़ा मिला है। ट्रेन के अंदर कैटरिंग द्वारा यात्री को परोसे गए खाने में कीड़ा मिलने पर यात्री ने शिकायत परिवाद पुस्तिका में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। पहले भी एक सितंबर को भी इसी वंदे भारत में यात्री ने नाश्ते में आमलेट मांगा था और जब उसने आमलेट खाना शुरू किया तो उसमें काकरोच नजर आया था। इससे पहले आगरा हजरत निजामुद्दीन वंदे भारत, शिरडी से मुंबई जा रही वंदे भारत में भी खाने में काकरोच मिल चुका है। आइआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग टूरिज्म) ने इसका संज्ञान लेते हुए ठेकेदार पर खराब गुणवत्ता का खाना परोसने के लिए जुर्माना लगाया है। वंदे भारत में भोजन का ठेका दिल्ली की आरके एसोसिएट्स के पास है।विकास कुमार नाम के यात्री को प्रयागराज से नई दिल्ली जाना था। वह कोच संख्या - सी तीन के सीट नंबर 25 पर यात्रा कर रहे थे। उनकी सीट पर ही कैटरिंग द्वारा भोजन परोसा गया। जब उन्होंने खाना शुरू किया तो अचानक सब्जी में उन्हें कीड़ा दिखा। यात्री ने इसकी शिकायत की तो आसपास बैठे यात्रियों ने भी सब्जी में कीड़ा देखकर अपना नाश्ता व भोजन चेक किया और देखते ही देखते हंगामा मच गया।

उमर अब्दुल्ला की कांग्रेस को नसीहत

ईवीएम का रोना बंद कर चुनाव नतीजों को करें कुबूल

श्रीनगर ।

इंडिया ब्लॉक के एक महत्वपूर्ण सहयोगी ने कांग्रेस की लाइन से खुद को अलग कर लिया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर कांग्रेस पार्टी की आपत्ति को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जब उसी ईवीएम से आपके 100 से अधिक सांसद चुनकर आते हैं तो आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में सेलिब्रेट करते हैं, तो आप कुछ महीनों बाद पलट कर यह नहीं कह सकते कि हमें ईवीएम से वोटिंग पसंद नहीं है, क्योंकि अब चुनाव परिणाम वैसे नहीं आ रहे जैसा हम चाहते हैं। उमर अब्दुल्ला की यह टिप्पणी भाजपा की लाइन से मैच करती है। भाजपा भी कहती है कि विपक्षी दल जब जीतते हैं तो ईवीएम को ठीक मानते हैं और जब हारते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहरा देते हैं। जब अब्दुल्ला से कहा गया कि उनकी यह टिप्पणी ऐसी मालूम पड़ रही है, जैसे भाजपा प्रवक्ता विपक्ष के आरोपों को डिफेंड कर रहा हो, तो उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान न करे! नहीं, यह बस इतना ही है... जो सही है वह सही है।

मैं सच को सच और गलत को गलत कहता हूं

उन्होंने कहा कि वह पार्टी लाइन फॉलो करने की बजाय सच को सच और गलत को गलत कहना पसंद करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने सेंट्रल विस्टा जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अपने समर्थन को अपनी स्वतंत्र सोच का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि दिल्ली में सेंट्रल विस्टा बहुत अच्छा प्रोजेक्ट है। मेरा मानना है कि नए संसद भवन का निर्माण कराना एक शानदार विचार था। हमें नए संसद भवन की आवश्यकता थी। पहले वाली पार्लियामेंट बिल्डिंग पुरानी हो चुकी थी और मौजूदा जरूरतों के हिसाब से फिट नहीं थी।

गृहमंत्री शाह ने पुलिस प्लाटून की ली सलामी, राष्ट्रपति पुलिस कलर फ्लैग भी सौंपा

सरेंडर किए नक्सली, नक्सल हिंसा पीड़ित और शहीद परिवार से करेंगे मुलाकात

जगदलपुर। रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रपति पुलिस कलर अवॉर्ड- 2024 कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पुलिस प्लाटून की सलामी ली। इस दौरान शाह ने राष्ट्रपति पुलिस कलर फ्लैग भी पुलिस को सौंपा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय भी मौजूद थे। राष्ट्रपति पुलिस कलर फ्लैग में बस्तर की संस्कृति को भी दिखाया गया, जिसमें गौर, माड़िया, सिंग और धान की बालिया शामिल है। झंडे के ऊपर और नीचे 36 किलों को दिखाया गया है। गृहमंत्री शाह के राष्ट्रपति पुलिस कलर्स अवॉर्ड परेड में शामिल होने के बाद जगदलपुर रवाना हो जाएंगे। रविवार दोपहर 3 बजे अमित शाह जगदलपुर पहुंचेंगे। यहां पहुंचने के बाद सबसे पहले इंदिरा प्रियदर्शनीय स्टेडियम में बस्तर ओलिंपिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। सरेंडर किए गए नक्सली, नक्सल हिंसा पीड़ित और शहीद परिवार से मुलाकात करेंगे। वहीं शाह 24 घंटे बस्तर में ही रहेंगे। इस दौरान हिड़मा के गांव जाने की भी चर्चा है। रविवार रात जगदलपुर में बिताएंगे। ऐसी चर्चा है कि दूसरे दिन यानी सोमवार को नक्सली कमांडर हिड़मा या फिर अबूझमाड़ इलाके में जा सकते हैं। हालांकि, इसको लेकर सुरक्षागत कारणों की वजह से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है।

8 इंटरनेशनल ड्रग तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक सफल सीक्रेट ऑपरेशन चला कर यूके स्थित हैंडलर धर्मा संधू से जुड़े 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने भारी मात्रा में हेरोइन, हथियार और ड्रग मनी को भी जब्त किया है। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जानकारियां हासिल कर रही है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने जानकारी दी कि इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 4.5 किलोग्राम हेरोइन, 2 ग्लॉक पिस्तौल (9एमएम), 2 पिस्तौल (30 बोर), 1 पिस्तौल (32 बोर), 1 जिगाना पिस्तौल (30 बोर), 16 जिंदा कारतूस और 1.5 लाख की ड्रग्स से जुड़ी नकदी बरामद की गई है। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर थाने घरिंडा में दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि इस ऑपरेशन के तहत न केवल ड्रग्स और हथियारों की तस्करी पर बड़ा प्रहार किया गया है, बल्कि इनकी आपूर्ति से जुड़े पिछले और संभावित नेटवर्क का भी पता लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कनाडा में आंतरिक सुधार जरूरी

भारत डोगरा

वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक स्टीवर्ट बेल ने एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीषर्क है- 'कोल्ड टैरर-कनाडा नरचर्स एंड एक्सपोटर्स टैररिज्म थ्रूआउट द वर्ल्ड'। इसमें उन्होंने लिखा है कि कनाडा की आतंकी समस्याओं के कारण बहुत हिंसा हुई है, लोग मारे गए हैं। इससे कनाडा में समस्याएं बढ़ गई हैं, और कुछ समुदायों पर उग्रवादियों ने अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।

ते ईस जून, 1985 को कनिष्क एअर इंडिया 182 विमान में उड़ते समय भयंकर विस्फोट हुआ जिससे हवाई जहाज अटलांटिक सागर में आयरलैंड के तटीय क्षेत्र के पास गिरा और उसमें सवार सभी 329 व्यक्ति मारे गए। इनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे।

जिन परिवारों के सदस्य मारे गए आज भी उन्हें न्याय नहीं मिला। इसके अतिरिक्त, यह भी समय-समय पर प्राप्त होने वाले तथ्यों से स्पष्ट होता रहा है कि यदि कनाडा की गुप्तचर और पुलिस एजेंसियों ने समुचित कार्रवाई की होती तो बड़ी संभावना यह होती कि इस हादसे को रोका जा सकता था। कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मंत्रालय ने ओंटारियो के पूर्व मंत्री बाब रे को इस त्रासदी की जांच का काम सौंपा था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि कनाडा गुप्तचर संस्थान (सीएसआईएस-कनाडियन सेक्युरिटी इंटेलीजेंस सर्विस) के अधिकारियों ने ऐसे दो खालिस्तानियों का पीछा किया जो उनके संदेह के दायरे में थे। दोनों एक टापूनुमा वीरान जंगली क्षेत्र में पहुंचे। यहां तक गुप्तचरों ने उनका पीछा किया। फिर जहां ये खालिस्तानी गए थे वहां से बड़े धमाके की आवाज आई। कोई बच्चा भी कहेगा कि इस धमाके की आवाज आने से पूछताछ की जरूरत और बढ़ गई थी पर इन गुप्तचरों ने ऐसा कुछ नहीं किया और आगे कोई कार्रवाई ही नहीं की। अब जब अन्य तथ्य सामने आ चुके हैं तो स्पष्ट है, जैसा कि जांच रिपोर्ट में भी कहा गया है, कि यह सुनसान इलाके में बम टेस्ट करने का प्रयास था क्योंकि दो वायुयानों में बम रखने की तैयारियां उस समय पूरे जोरों पर थीं। यदि समय पर इन खालिस्तानियों से भली-भांति पूछताछ कर ली जाती तो षड़यंत्र को उसी समय रोक पाने की संभावना थी।

एक अन्य बड़ा मुद्दा है कि गुप्तचर एजेंसी सीएसआईएस ने पहले टेपों पर खालिस्तानी षड़यंत्रकारियों की बहुत सी बातचीत रिकार्ड भी की थी और फिर इससे पहले कि इस रिकार्डिंग का समुचित विश्लेषण हो पाता, इनको नष्ट कर दिया गया। जांच रिपोर्ट ने इस बारे में इस केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस जैसिफसन की टिप्पणी की ओर ध्यान दिलाया है, जिन्होंने इसे ऐसी लापरवाही बताया था, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। आखिर, इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो गई, इस पर चर्चा हुई तो सीएसआईएस का यह पक्ष सामने आया कि उसके एक एजेंट ने खालिस्तानी षड़यंत्रकारियों में घुसपैठ कर ली थी, हालांकि कनिष्क हादसे से तीन दिन पहले उसे अलग कर लिया

गया। सीएसआईएस का पक्ष, जो प्रकाशित रिपोटरे में बताया गया है (जैसा बीबीसी की एक रिपोर्ट में भी छपा) कि उसने अपने इस एजेंट के बचाव के लिए टेप नष्ट किए।

पर ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात यह है कि एजेंट के पास जो जानकारी थी, उसका भरपूर उपयोग किया जाता तो इतना समय जरूर मिलता कि षड़यंत्र का पता लगा कर उसे नाकाम कर दिया जाता। पर ऐसा नहीं हुआ। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जो जानकारी सीएसआईएस के पास होती थी वह कनाडियन पुलिस (आरसीएमपी) के साथ ठीक से शेयर नहीं की जाती थी। कनाडा के उच्च स्तर के कुछ सुरक्षा अधिकारियों ने इस बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करनी आरंभ की कि कनाडा में बहुत से आतंकी संगठनों ने डेरा जमा लिया है।

सीएसआईएस के पूर्व अध्यक्ष वार्ड एलकाक ने अपनी उच्चस्तरीय जानकारी के आधार पर सीनेट की एक विशेष समिति को बताया कि अमेरिका को छोड़ दें तो किसी भी अन्य देश की अपेक्षा कनाडा में अधिक आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान सीएसआईएस की आतंक-विरोधी शाखा ऐसे 50 आतंकवादी संगठनों और इनसे जुड़े 350 व्यक्तियों की जांच कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि ये विभिन्न आतंकवादी संगठन आतंकवादी कार्रवाइयों में सहायता देते हैं, आतंकवाद के लिए धन एकत्र करते हैं, प्रोपेगंडा और असत्य (डिसइंफाम्रेशन) फैलाने के लिए विभिन्न समुदायों का दोहन-शोषण करते हैं, अप्रवासियों को डराते-धमकाते हैं, आतंकियों के लिए कनाडा में सुरक्षित शरण स्थलों की व्यवस्था करते हैं, आतंकियों की अमेरिका तक आने-जाने की व्यवस्था करते हैं, और अप्रवासियों की तस्करी करते हैं।

यह बयान कनाडा के फ्रेसर इंस्टीट्यूट की अध्ययन रिपोर्ट में उपलब्ध है, जिसका शीषर्क है 'कनाडा' ज इनएडिक्वेट रिस्पॉन्स टू टेररिज्म'। रिपोर्ट के लेखक हैं मार्टिन कोलाकोट। रिपोर्ट में बताया गया है कि विभिन्न खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों के अतिरिक्त अनेक अन्य तरह के आतंकवादी संगठन भी कनाडा में सक्रिय हैं, और इनका संबंध अनेक अन्य चर्चित आतंकवादी हमलों से भी जुड़ा रहा है। रिपोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि कई महत्त्वपूर्ण संदभरे में कनाडा की सरकार आतंकवाद के नियंत्रण के लिए असरदार कदम उठाने में असमर्थ रही है। रिपोर्ट ने बताया है कि खतरनाक आतंकी संगठनों पर सरकार प्रतिबंध नहीं लगा सकी और यहां तक कि ऐसे कुछ संगठन परोपकारी कार्य का आवरण लगा कर अपना प्रसार करते हैं, उस पर भी काफी समय तक रोक नहीं लग सकी। उनके विरुद्ध असरदार कार्रवाई करने के बहुत कम उदाहरण कनाडा में देखे गए हैं।

इतना ही नहीं, कुछ राजनीतिक दल और नेता भी अपने संकीर्ण स्वार्थी हितों के लिए ऐसी ढील देने की नीति अपनाते हैं। सीएसआईएस की रणनीतिक योजना के पूर्व मुख्य अधिकारी डेविड हैरिस से जब पूछा गया कि क्या कनाडा आतंकवादियों की सुरक्षित शरण स्थली बन रहा है, तो उन्होंने उत्तर दिया कि ऐसी आशंका का बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां 50 आतंकवादी संगठनों की उपस्थिति है, जिनमें से अनेक प्रमुख आतंकवादी संगठन हैं। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक स्टीवर्ट बेल ने एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीषर्क है-'कोल्ड टैरर-कनाडा नरचर्स एंड एक्सपोटर्स टैररिज्म थ्रूआउट द वर्ल्ड'। इसमें उन्होंने लिखा है कि कनाडा की आतंकी समस्याओं के कारण बहुत हिंसा हुई है, लोग मारे गए हैं। इससे कनाडा में समस्याएं बढ़ गई हैं, और कुछ समुदायों पर उग्रवादियों ने अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।

मेजर ग्रेग ले ने कनाडियन फोर्सेज कॉलेज के लिए एक अनुसंधान पत्र लिखा है, जिसका शीषर्क है, 'द इवॉल्यूशन ऑफ टैररिज्म इन कनाडा-इन्क्रीज्ड थ्रेट इन अ कल्चर ऑफ इनडिफेरेंस'। इस अध्ययन में लिखा है कि आतंकियों की हिंसक और जबरदस्ती वाली प्रवृत्तियों से कनाडा के सिख समुदाय की समस्याएं और दुख-दर्द बढ़ गए हैं। बाब रे, जो आनटेरियो के मंत्री रह चुके थे, को कनिष्क त्रासदी की जांच का कार्य सौंपा गया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सिख समुदाय आतंकियों के दबाव से त्रस्त और परेशान है। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि कनाडा सरकार आतंकवाद पर नियंत्रण रखने की अपनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी भली-भांति निभाए।

संपादकीय

भारत-रूस रिश्ते को मजबूती

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तीन दिवसीय रूस यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूती देने की दिशा में निस्संदेह बहुत उपयोगी रही. वह वहां सैन्य और सैन्य सहयोग पर भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग के 21वें सत्र में भाग लेने गये थे. वह आइएनएस तुशिल की फ्लैग रेजिंग सेरेमनी में भी शामिल हुए, जिसे काफी पहले भारतीय नौसेना में शामिल होना था, लेकिन कोविड, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट तथा रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से यह टलता रहा था. रक्षा मंत्री ने वहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर उनसे बात की.

पुतिन से उनका यह कहना मायने रखता था कि भारत और रूस के बीच मित्रता सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है. उन्होंने रूसी राष्ट्रपति को यह भी बताया कि भारत पर सार्वजनिक और निजी तौर पर कई तरह के दबाव हैं, इसके बावजूद वह हमेशा अपने रूसी मित्र के साथ खड़ा रहा और भविष्य में भी खड़ा रहेगा. रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच उनके इस बयान का महत्व है. दोनों ने इस पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच साझेदारी में अत्यधिक संभावनाएं हैं और साझा प्रयासों से शानदार नतीजे हासिल किये जा सकते हैं. उनका यह भी कहना था कि दोनों देशों के बीच जी-20, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ रहा है.

राजनाथ सिंह ने रूसी रक्षा मंत्री आंद्रे बेलासोव से रक्षा मुद्दों पर व्यापक बातचीत की और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली 'एस-400 ट्रंफ' की शेष दो यूनिटों की आपूर्ति जल्दी करने का दबाव भी डाला. यूक्रेन से युद्ध के चलते भारत को दी जाने वाली इन दो यूनिटों की आपूर्ति में विलंब हुआ है. रक्षा मंत्री ने विभिन्न मिलिट्री हार्डवेयर के निर्माण के क्षेत्र में भारत में असीम संभावनाओं की जानकारी दी. रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में अपने एक बयान में कहा है कि रूस और भारत के बीच आपसी सम्मान पर आधारित एक मजबूत और पुरानी दोस्ती है.

इसमें यह भी कहा गया कि जुलाई में मास्को में राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी की हुई बैठक और अक्तूबर में कजान में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकातों के परिणामस्वरूप विशेष रणनीतिक साझेदारी और गहरी हुई है, जिसमें रक्षा क्षेत्र भी शामिल है. राजनाथ सिंह की इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आपसी संबंध को और मजबूत बनाना था, जिसमें वह सफल रहे.

चिंतन-मनन

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मर्यादा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मर्यादा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है।

जब कोई मार्यादा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अमार्यादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मर्यादा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

विजय दिवस : पराक्रमी भारतीय सेना का साहस

हेमेन्द्र क्षीरसागर

भारत ने पाकिस्तानी सत्ता और सेना के अत्याचार से पीड़ित पूर्वी पाकिस्तान की जनता को अपना सहयोग देकर बांग्लादेश के रूप में एक नए राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1971 का युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच एक सैन्य संघर्ष था जिसमें पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। इसका आरंभ पश्चिमी पाकिस्तान और तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के बीच सशस्त्र संघर्ष के बीच 3 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान द्वारा भारतीय वायुसेना के 11 स्टेशनों पर रिक्तिपूर्व हवाई हमले किए जाने के परिणामस्वरूप भारतीय सेना पूर्वी पाकिस्तान में बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम में बंगाली राष्ट्रवादी गुटों के समर्थन देने के निर्णय के कारण हुआ। जिसमें पाकिस्तान को अप्रत्याशित पराजय का सामना करना पड़ा। इसमें भारतीय सेना द्वारा 93 हजार पाकिस्तानी सैनिक बंदी बना लिए गए और पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान के नियंत्रण से मुक्त होकर बांग्लादेश बन गया।

ये युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक युद्ध माना जाता है। इसीलिए देश भर में भारत की पाकिस्तान पर जीत के उपलक्ष में 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1971 के युद्ध में तकरीबन 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और लगभग 9,851 घायल हुए। युद्ध के 8 महीने बाद अगस्त 1972 में भारत और पाकिस्तान ने शिमला समझौता 1972 किया। इसके अंतर्गत बंदी बनाए गए पाकिस्तानी सैनिकों को वापस पाकिस्तान भेज दिया गया था।

भारत की पराक्रमी सेना के साहस ने पाकिस्तान की सेना के 97,368 सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया। इस गौरवशाली दिवस पर स्वयं सेवकों के बल और सामर्थ्य में वृद्धि करने हेतु संघ प्रतिवर्ष 16 दिसम्बर को प्रहार महायज्ञ का आयोजन करता है। इस दिन स्वयंसेवकों को यह स्मरण दिलाया जाता है कि महाराणा प्रताप की भुजाओं में इतना बल था कि उन्होंने तलवार के एक ही वार से बहलोल खान को जिरह-बख्तर, घोड़े सहित काट डाला। रानी दुर्गावती युद्ध के मैदान में घोड़े की लगाम मुँह में थाम कर दोनों हाथों में तलवार लेकर उतरी थीं और शत्रुओं को नाकों चने चबवा दिए। छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपनी तलवार के बल पर आदिलशाही और मुगलशाही से टक्कर लेते हुए हिन्दू साम्राज्य की स्थापना की थी। हम उन्हीं महान पूर्वजों के वंशज हैं। हमारी भुजाओं में वैसा ही बल चिर स्थाई रहे, हम क्षमतावान बने रहें।

एक साथ चुनाव से सशक्त बनेगा देश

सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमेशा चलने वाले चुनावों पर विराम लग जाएगा। सरकारों का ध्यान विकास कार्यों की ओर होगा। आचार संहिता की वजह से विकास कार्य ठप्प नहीं होंगे। और सबसे ऊपर हर बार चुनाव में होने वाले बेहिसाब खर्चों पर लगाम लगेगी। चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों का चुनावों पर बेहिसाब खर्च होता है। एक साथ चुनाव से इन खर्चों में कटौती होगी। सुरक्षा बलों को भी लगातार इस राज्य से उस राज्य तक यात्रा करनी पड़ती है। आम लोगों का ध्यान भी चुनाव पर लगा रहता है। यह सब कुछ एक निर्णय से बदल जाएगा।

देश सचमुच बदल रहा है। न सिर्फ बदल रहा है, बल्कि शक्तिशाली हो रहा है। लोकतंत्र सशक्त हो रहा है। वैश्विक स्तर पर देश का मान बढ़ रहा है। देश में आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता आई है। अभी जिस समय देश संविधान अंगीकार करने के 75 साल पूरे होने का उत्सव मना रहा है, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ह्यएक देश, एक चुनावह्ण के लिए बनाए गए दो विधेयक को मंजूरी दे दी है। संसद के शीतकालीन सत्र में इसके लिए सरकार दो विधेयक पेश करेगी। इनके जरिए संविधान के अनुच्छेद 82ए, 83, 172 और 327 में संशोधन का प्रस्ताव रखा जाएगा। इससे लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने और लोकसभा व सभी विधानसभाओं के कार्यकाल से जुड़े जरूरी बदलाव किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने इससे पहले सितंबर में पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट मंजूर कर ली थी, जिसकी सिफारिशों के आधार पर ये विधेयक तैयार किए गए हैं।

श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार विमर्श किया था। उनकी समिति के सामने अनेक विपक्षी पार्टियों ने सारे चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का विरोध किया था, लेकिन ज्यादातर पार्टियां इस विचार के समर्थन में थीं। चुनाव आयोग और आम लोगों से भी समिति ने राय ली थी। इसके बावजूद सरकार अपने संपूर्ण बहुमत के दम पर एकतरफा तरीके से इन विधेयकों को नहीं पास कराने जा रही है। सरकार इस मामले में आम राय बनाने का प्रयास कर रही है। इसलिए संविधान संशोधन के विधेयक पेश करने के बाद उसे संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी को भेजा जा सकता है, जहां सभी पार्टियों के सांसद इस पर विचार करेंगे। यह समिति सभी संबंधित पक्षों से सलाह मशविरा करेगी और आम लोगों की राय भी लेगी। उसके बाद सहमति बना कर इसे पास कराया जाएगा। वैसे सरकार जब चाहती तब इसे पास करा सकती थी क्योंकि ये साधारण संशोधन हैं, जिनके लिए संसद में साधारण बहुमत की जरुरत है और राज्यों की विधानसभा से मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं है। फिर भी सरकार आम सहमति का रास्ता अपनाएगी।

जिस समय श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति बनाई गई थी तभी से इसे लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष पूछ रहा है कि इसका क्रियान्वयन कैसे होगा? अगर 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ सभी राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव कराने हैं तो अगले चार साल में होने वाले विधानसभा चुनावों का क्या होगा? यह भी पूछा जा रहा है कि अगर लोकसभा और सभी विधानसभाओं का कार्यकाल तय कर दिया जाएगा तो बीच में सरकार ने बहुमत गंवाया या सरकार गिरी तब क्या होगा? क्या वहां राष्ट्रपति शासन लगा रहेगा और अगले लोकसभा चुनाव के साथ ही वहां चुनाव होगा? वैसे इन सभी सवालों का जवाब सरकार की ओर से प्रस्तावित विधेयक में मिल जाएगा। परंतु अगर राजनीतिक पूर्वाग्रह छोड़ दें तो इन सवालों के जवाब बहुत मुश्किल नहीं हैं। कुछ विधानसभाओं के कार्यकाल बढ़ा कर और कुछ के कार्यकाल घटा कर सभी विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा के साथ कराए जा सकते हैं।

जहां तक बीच में सरकार गिरने का सवाल है तो पिछले काफी समय से मध्यावधि चुनाव का चलन समाप्त हो गया है। पिछले एक दशक से ज्यादा समय से दिल्ली के एक अपवाद को छोड़ दें तो किसी राज्य में मध्यावधि चुनाव की नौबत नहीं आई है। यह लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रतीक है। फिर भी इस संभावना को देखते हुए सकारात्मक अविश्वास प्रस्ताव का प्रावधान किया जा सकता है। यानी सरकार गिरने के साथ ही नई सरकार बनाने का प्रस्ताव भी रखा जाए। इसके बावजूद अगर कहीं सरकार गिरती है और नई सरकार नहीं बनती है तो वहां बचे हुए कार्यकाल के लिए चुनाव कराया जा सकता है। अगर इतने बड़े ऐतिहासिक निर्णय पर अमल करना है तो छोटे छोटे कुछ अपवाद बनाने होंगे।

विपक्ष की ओर से पहले दिन से इस प्रस्ताव का विरोध किया जा रहा है। विपक्ष का विरोध सिर्फ इस कारण से है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसका प्रस्ताव किया है। विपक्ष को सरकार के हर प्रस्ताव और हर अच्छी पहल का विरोध करना है इसलिए वह विरोध कर रही है। विरोध में विपक्ष की ओर से ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं, जिनसे खुद ही विपक्षी पार्टियां कठघरे में खड़ी होती हैं। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां लोकसभा के साथ सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव को लोकतंत्र विरोधी बता रही हैं। प्रश्न है कि पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना लोकतंत्र विरोधी कैसे है और अगर यह लोकतंत्र विरोधी है तो स्वतंत्रता के बाद करीब 20 साल तक चार लोकसभा चुनाव और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कैसे हुए?

क्या देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस के दूसरे नेता लोकतंत्र विरोधी कार्य कर रहे थे? ध्यान रहे आजादी के बाद 1952 में हुए पहले चुनाव से लेकर 1967 के चौथे चुनाव तक देश के सारे चुनाव एक साथ होते थे। उस समय भी अगर कांग्रेस पार्टी ने अपनी संविधान विरोधी सोच में गैर कांग्रेसी राज्य सरकारों को बरखास्त करना नहीं शुरू किया होता तो आगे भी एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चलती रहती। लेकिन कांग्रेस को बरदाश्त नहीं हुआ कि राज्यों में उसको हरा कर गैर कांग्रेसी सरकारें कैसे बन गई हैं। सो, उसने अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करके उन सरकारों को बरखास्त किया, जिसकी वजह से एक साथ चुनाव का चक्र टूट गया। उसके बाद गठबंधन की राजनीति के दौर में केंद्र में और राज्यों में भी एक के बाद एक मध्यावधि चुनाव हुए। कहने की जरुरत नहीं है कि नब्बे के दशक का वह दौर देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए सबसे खराब दौर रहा।

देश उस दौर से निकल आया है। अब राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता है और देश प्रगति के रास्ते पर अग्रसर है। इसलिए अब उससे और आगे बढ़ने की जरुरत है। देश की अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र की मजबूती के लिए अगला चरण सभी चुनाव एक साथ कराने का है। ध्यान रहे भारत में चुनावों का ऐसा चक्र बना हुआ है कि हर साल कहीं न कहीं चुनाव होते हैं। इस साल लोकसभा चुनाव के साथ चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए और उसके बाद छह महीने में चार और राज्यों के चुनाव हो चुके हैं। अगले साल यानी 2025 में दो राज्यों के चुनाव हैं। उसके अगले साल 2026 में छह राज्यों के चुनाव हैं। उसके अगले साल भी छह राज्यों के चुनाव होने हैं।

इसी तरह साल दर साल चुनाव चलते रहते हैं और चुनाव भले किसी छोटे राज्य का हो लेकिन उस पर राष्ट्रीय दृष्टि लगी रहती है। लोग भी उसमें व्यस्त रहते हैं और विकास के कामकाज या तो ठप्प रहते हैं या उनकी रफ्तार धीमी हो जाती है। राजनीतिक दल संगठनात्मक कार्यों और आम नागरिकों का राजनीतिक, सामाजिक प्रशिक्षण करने की बजाय चुनावों में व्यस्त रहते हैं तो सरकारें सकारात्मक व टिकाऊ विकास के कार्यों की बजाय लोक लुभावन कार्यों में व्यस्त रहती हैं। एक साथ चुनावों के जरिए हर समय चलने वाले चुनावों पर विराम लगाया जा सकेगा और सरकारें टिकाऊ विकास के प्रति ज्यादा समर्पण के साथ काम कर सकेंगी। सरकार जो विधेयक ला रही है उसके मुताबिक लोकसभा के साथ सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव होंगे और उसके एक सौ दिन के अंदर सभी स्थानीय निकायों के चुनाव हो जाएंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमेशा चलने वाले चुनावों पर विराम लग जाएगा। सरकारों का ध्यान विकास कार्यों की ओर होगा। आचार संहिता की वजह से विकास कार्य ठप्प नहीं होंगे। और सबसे ऊपर हर बार चुनाव में होने वाले बेहिसाब खर्चों पर लगाम लगेगी। चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों का चुनावों पर बेहिसाब खर्च होता है। एक साथ चुनाव से इन खर्चों में कटौती होगी। सुरक्षा बलों को भी लगातार इस राज्य से उस राज्य तक यात्रा करनी पड़ती है। आम लोगों का ध्यान भी चुनाव पर लगा रहता है। यह सब कुछ एक निर्णय से बदल जाएगा। तभी एक साथ चुनाव कराने का निर्णय ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2014 के बाद से देश बदलने वाले जो ऐतिहासिक निर्णय किए हैं यह भी उसी कड़ी का एक महान निर्णय है।

-एस. सुनील

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर में नीचे आया

इससे पहले रूस भारत के लिए कच्चे तेल का मुख्य स्रोत था

नई दिल्ली । भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर में नीचे गिरकर जून, 2022 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जो एक यूरोपीय शोध संस्थान की मासिक रिपोर्ट से प्रकट हुआ है। इससे पहले, रूस भारत के लिए कच्चे तेल का मुख्य स्रोत था, परंतु फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हुए हमले के बाद, अब भी रूस से कच्चे तेल के आयात में महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से इसलिए हुई है क्योंकि रूस में कच्चे तेल उपलब्धता में छूट मिली थी, और यूरोपीय देशों ने भी रूस से कच्चे तेल की खरीद से बचाव किया। इसलिए रूसी कच्चे तेल की कीमत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध अन्य विकल्पों से कम थी। एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में 55 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है, जो जून, 2022 के बाद का सबसे निचला स्तर है। हालांकि, रूस अब भी भारत के लिए कच्चे तेल की प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। रूस के आयात से अधिकतम जीवाश्म ईंधनों में से, भारत नवंबर में रूसी जीवाश्म ईंधन के तीसरे सबसे बड़े खरीदार बन गया है। रूसी कच्चे तेल के साथ-साथ, भारत ने रूस से कम कोयला भी आयात किया है, जिसकी मात्रा हालात पर आधारित है। इस पूरे विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर और ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि भारत के ऊर्जा संगठन सुनिश्चित कर सकें कि देश की ऊर्जा खाप्रवृत्तिकी में विश्वस्त स्थिति बनाए रखने हेतु कोई और वैकल्पिक स्रोत हो।

पीआईए एरलाइंस के 34 में से 17 प्लेन बंद

आवश्यक कलपुर्जों और अन्य उपकरणों की कमी मुख्य वजह

नई दिल्ली । पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) ने अपने 34 विमानों में से 17 विमानों की उड़ानें बंद कर दी हैं जिसका कारण आवश्यक कलपुर्जों और अन्य उपकरणों की कमी है। एयरलाइन के सूत्रों के मुताबिक इन विमानों में इंजन, लैंडिंग गियर, एपीयू और अन्य महत्वपूर्ण भागों की कमी है। सूत्रों ने बताया कि धन की कमी और उचित मंजूरी की अभाव ने इस स्थिति का मुख्य कारण बनाया है। यह स्थिति एयरलाइन की कार्यक्षमता को प्रभावित कर रही है, जिसने पिछले चार वर्षों में प्रतिबंध के बाद यूरोप के लिए उड़ानें पुनः शुरू करने की योजना बनाई है। इस कारण उड़ानें विलंबित हो सकती हैं, जिससे संभावित यूरोप की सेवाओं की नियोजित बहाली में भी देरी हो सकती है। सरकार द्वारा किए गए एयरलाइंस के निजीकरण के असफल प्रयास ने भी इस स्थिति को और अधिक गहरा बनाया है। नजरअंदाज की गई 60 प्रतिशत की शेयर बेचने की कोशिशों के बाद, सिर्फ 10 अरब पाकिस्तानी रुपये की बोली ही मिली थी, जो मूल्य से काफी कम थी। नए सिरे से बोली लगाने का फैसला किया गया है, जिससे आगे की कदम बढ़ने की उम्मीद है।

जनवरी से नवंबर तक यूपीआई से लेन-देन का नया रिकॉर्ड

- 15,547 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, 223 लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए

नई दिल्ली । यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) द्वारा होने वाली लेन-देन का आंकड़ा नए रिकॉर्ड लेकर आया है। वित्त मंत्रालय ने जारी किया एक बड़ा घोषणापत्र, जिसमें बताया गया कि जनवरी से नवंबर-2024 तक यूपीआई के जरिए कुल 15,547 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए हैं। इस अवधि में ये रेकॉर्ड करोड़ों रुपए की राशि को सुरक्षित और आसान बनाने में सहायक हुआ है। यूपीआई का उपयोग सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि 7 अन्य देशों में भी हो रहा है। यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरिशस ने यूपीआई की योग्यता को महसूस किया है। एनपीसीआई के अनुसार, नवंबर महीने में अद्वितीय 1548 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए थे, जिसमें 21.55 लाख करोड़ रुपए की राशि शामिल थी। नवंबर 2024 में यूपीआई ने औसतन 51 करोड़ 60 लाख ट्रांजैक्शन किए, जिसमें हर दिन 71,840 करोड़ रुपए की भुगतान की गई। ये आंकड़े अक्टूबर-2024 के रिकॉर्ड से थोड़े कम हैं, जब तब एनपीसीआई ने सबसे अधिक 1,658 करोड़ ट्रांजैक्शन किए थे। यूपीआई ने वित्तीय समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होकर दिखाया है और आगे भी इसका उपयोग बढ़ने की संभावना है।

पोस्ट ऑफिस की मंथली सेविंग स्कीम में करें निवेश

मंथली होगी 9,250 रुपये की इनकम

नई दिल्ली ।

भारतीय निवेशकों के लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली सेविंग स्कीम एक लोकप्रिय विकल्प साबित हो रही है। यह एक डिपॉजिट स्कीम है, जिसमें होने वाली मंथली कमाई निवेशकों के लिए आकर्षक है। इस स्कीम में नागरिक या उनके बच्चे अकाउंट खोल सकते हैं। यदि बच्चा 10 साल से कम उम्र का है, तो उसके नाम पर अकाउंट के लिए उसके माता-पिता या कानूनी अभिभावक आवेदन कर सकते हैं। सिंगल या ज्वाइंट अकाउंट में निवेश करने का विकल्प है। ज्वाइंट अकाउंट में अधिक निवेश करने के अवसर हैं, जिससे अधिक आय की संभावना होती है। साथ ही, अकाउंट खोलने के लिए आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। पोस्ट ऑफिस एमआईएस अकाउंट में 5 साल के बाद निकाली जा सकती है निवेश राशि।

इस समय के लिए ब्याज दर 7.4 फीसदी है, जिससे निवेशकों को सालाना और मंथली निरंतर आय प्राप्त होती है। अगर कोई

व्यक्ति सिंगल अकाउंट में 9 लाख रुपए निवेश करता है, तो उसे ब्याज की माध्यम से प्रति साल 66,600 रुपए और हर महीने 5,550 रुपए की कमाई होती है। साथ ही ज्वाइंट अकाउंट में निवेश करते हुए सालाना 1,11,000 रुपये तक की कमाई संभावना है। इस स्कीम के माध्यम से छोटे निवेशकों को आसानी से नियमित आय प्राप्त करने का मौका मिलता है।

सेबी का एल्गो ट्रेडिंग प्रस्ताव- रिटेल निवेशकों के लिए बढ़िया विकल्प

एल्गो ट्रेडिंग से रिटेल निवेशक तेजी से शेयरों की खरीद-फरोख्त कर सकेंगे

नई दिल्ली । सुरक्षित, सही और पारदर्शी निवेश की दिशा में भारतीय बाजार नियामक सेबी ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव के अनुसार रिटेल निवेशकों के लिए भी एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग (एल्गो ट्रेडिंग) की सुविधा उपलब्ध होगी। यह विशेष सुविधा अब न केवल संस्थागत निवेशकों के लिए होगी, बल्कि रिटेल निवेशकों को भी इसका लाभ मिलेगा। एल्गो ट्रेडिंग का उपयोग करके रिटेल निवेशक तेजी से शेयरों की खरीद-फरोख्त कर सकेंगे और इसके माध्यम से लेन-देन प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाया जा सकेगा। इस प्रस्ताव से बाजार में लिक्विडिटी बढ़ेगी और निवेशकों को नए और बेहतर विकल्पों के साथ निवेश किए जाने का मौका मिलेगा। सेबी की धारा से रिटेल निवेशकों के लिए एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा में सुरक्षा और उचित नियमों का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए ब्रोकरों को स्टॉक एक्सचेंज से पहले अनुमति लेनी होगी और हर लेन-देन को यूनिक आईडेंटिफायर से टैग करके निगरानी में रखा जाएगा। इस प्रस्ताव के माध्यम से रिटेल निवेशकों के निवेश अनुभव को मजबूत किया जा रहा है और उनके लिए पारदर्शी और सुरक्षित निवेश के विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही यह प्रस्ताव रिटेल निवेशकों को बाजार में अधिक भागीदारी लेने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस सुरक्षित, उपयोगकर्ता-मित्र एल्गो ट्रेडिंग सुविधा के आने से अब रिटेल निवेशक भी बाजार में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे और उनके निवेश के लिए नए दिशानिर्देश मिलेंगे।

फेड के ब्याज दर पर, थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों से तय होगी बाजार की दिशा

- डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की नजर रहेगी

मुंबई ।

बीते सप्ताह आधा फीसदी चढ़े घरेलू शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह पर निर्भर करेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा आगे के संकेतकों के लिए निवेशक वैश्विक रुझान पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा` कि भारतीय शेयर बाजार का भविष्य का रुख वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करेगा। वैश्विक रुझान, विशेष रूप से अमेरिकी बाजारों का प्रदर्शन और फेडरल रिजर्व का नीतिगत निर्णय, इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार की धारणा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों का प्रवाह बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार भागीदारों की निगाह रहेगी। घरेलू व्यापक आर्थिक आंकड़ों की बात करें तो सोमवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर सभी की नजर रहेगी। एक अन्य बाजार विश्लेषक ने कहा` कि इस सप्ताह बाजार की निगाह अमेरिकी केंद्रीय बैंक की बैठक पर रहेगी। फेडरल रिजर्व प्रमुख नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करेगा, बाजार इस बात को पहले ही मानकर चल

रहा है। भविष्य में नीतिगत दर को लेकर अमेरिकी केंद्रीय बैंक की टिप्पणी भी महत्वपूर्ण होगी। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 623.07 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 90.5 अंक के लाभ में रहा। एक विश्लेषक ने कहा कि कहा कि निवेशकों की निगाह घरेलू मोर्चे पर सोमवार को जारी होने वाले थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी रहेगी।

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,766 करोड़ का निवेश किया

नवंबर में 21,612 करोड़ और अक्टूबर में 94,017 करोड़ की निकासी की गई थी

नई दिल्ली । दिसंबर के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो एक सकारात्मक संकेत है। पिछले महीनों की तुलना में, नवंबर में भारतीय बाजार से 21,612 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये की भारी निकासी की गई थी। इस तरह की यात्रा में अप्रत्याशित ताक़त महसूस हो रही है। एफपीआई का मई के बाद का सबसे बड़ा या करने वाला निवेश का वापसी करने के बाद, हालांकि, विदेशी निवेशकों के निवेश के रुख में थोड़ी उलझन भी दिखाई दे रही है। एफपीआई के 2024 में शेयरों में 7,747 करोड़ रुपये का निवेश इसे दिखाता है कि उनका भविष्य कैसा हो सकता है। विश्लेषण करने वाले इंडिया के एक एसोसिएट निदेशक के अनुसार भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह कई तथ्यों पर निर्भर करेगा, जैसे कि राष्ट्रपति के नीतियाँ, मुद्रास्फीति और ब्याज दर की स्थिति। ये सभी मुद्दे भारतीय बाजार और निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारतीय कंपनियों के नतीजों और आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर भी नजर रखा जा रहा है, और ये भी भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेगी। एफपीआई का निवेश साफ़ है कि अमेरिकी बैंक की ब्याज दर में कटौती की उम्मीद के कारण है। इससे मुद्रास्फीति की स्थिति में भी सुधार की संभावना है, जिससे भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह और बढ़ सकता है। उन्होंने कहा` कि भारतीय रिजर्व बैंक ने तरलता बढ़ाने के उपाय अपनाए हैं, जिससे निवेशकों को आत्मविश्वास और स्थायित्व मिला है। उनके अनुसार सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति में भी सुधार का संकेत है, जिससे निवेशकों की उम्मीदों ने वृद्धि की है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने बॉन्ड में 4,814 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जबकि उन्होंने स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 666 करोड़ रुपये की निकासी की है। साल भर में, एफपीआई ने बाजार में 1.1 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो एक बड़ा और सकारात्मक चेतावनी है।

गौतम अडानी ने 1 दिन में कमाए 2.43 अरब डॉलर

मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1.20 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज हुई

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में अचल संपत्ति की मांग व उपायुक्तता के कारण बड़ा उछाल देखने को मिला। गौतम अडानी की दौलत एक ही दिन में 2.43 अरब डॉलर बढ़कर 81.8 अरब डॉलर तक पहुंची, जबकि मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1.20 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज हुई और उनकी नेटवर्थ 95.9 अरब डॉलर रह गई। साथ ही दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की नेटवर्थ में भी शुक्रवार को 4.77 अरब डॉलर की गिरावट आई, जिससे उनकी दौलत 442 अरब डॉलर पर आ गई। मस्क की नेटवर्थ में यह गिरावट बात दिल दहला देने वाली है, हालांकि इस साल अब तक उनकी संपत्ति 213 अरब डॉलर बढ़ी है। यह तेजी और गिरावट नेटवर्थ की मुद्रा में अवधि के दौरान हुई तरंगों के प्रभाव का परिणाम है। इस विपरीतता के बावजूद, गौतम अडानी और एलन मस्क के संपत्ति नमि में दृढ़ता का सामर्थ दिखा रहे हैं, जो दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में है। इस समाचार से वित्तीय बाजार में तरंग गैर स्थिरता का सिग्नल प्राप्त हो रहा है, जिसका असर निवेशकों और वित्तीय विश्लेषकों पर हो सकता है।

आयात बढ़ने और मांग घटने से तेल-तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद

कच्चे पाम तेल का दाम 13,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

नवंबर के महीने में खाद्य तेलों का आयात 39 प्रतिशत बढ़ने के बीच देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहनों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए हैं। इस गिरावट के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पाम (सीपीओ), पामोलीन तेल और बिनौला तेल के दाम नुकसान के साथ बंद हुए हैं। बाजार के जानकार सूत्रों के मुताबिक नवंबर में आयात बढ़ने के बावजूद मांग कमजोर रहने से खाद्य तेल-तिलहनों के दाम पिछले सप्ताह के मुकाबले गिरावट के साथ बंद हो गए हैं। एक सूत्र ने बताया कि विदेशों में सीपीओ का दाम घटकर 1,305-1,310 डॉलर प्रति टन से 1,270-1,275 डॉलर प्रति टन रह गया है, जिसके कारण पाम, पामोलीन तेल की कीमत में गिरावट आई है। हालांकि, देश में` पिछले शुक्रवार की रात में पाम, पामोलीन और सोयाबीन तेल की आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि की गई है, जिसके चलते इन तेलों के दाम बढ़ सकते हैं। लेकिन जब मौजूदा दाम पर ही पाम-पामोलीन के लिवाल नहीं हैं, तो उन्हें बढ़े हुए दाम पर लिवाल मिलना मुश्किल हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला सीड की कम दाम पर बिकवाली करने से किसानों को कपास नरमा के लिए भी एमएसपी से नीचे दाम पर बेचने को मजबूर हो गए हैं। इसका सीधा असर मूंगफली तेल-तिलहन पर भी पड़ रहा है। इसके अलावा मलेशिया में दाम टूटने की वजह से कच्चे पाम तेल का दाम 13,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हो गया है। इस गिरावट के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 650 रुपये की गिरावट के साथ 12,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हो गया है। इस उलझन और दाम कमी की स्थिति में खाद्य तेल-तिलहन बाजार की साथ में मजबूती से व्यवहार करने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है ताकि किसानों और आम जनता को सही ताकतवर दाम मिल सकें।

2025 में सोने की कीमतों के लिए मिश्रित संभावनाएं, चुनौती और अवसर

वर्तमान में सोना 76,000-78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड गोल्ड कार्उंसिल द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 2025 में सोने के बाजार में मिश्रित संभावनाएं और चुनौतियां हो सकती हैं। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सोने की कीमतों में वृद्धि के संकेत हैं, लेकिन इसमें केंद्रीय बैंक की नीतियां, राजनीतिक तनाव, उपभोक्ता मांग, और निवेशकों की चाह सहित कई अन्य कारक भी शामिल हैं। जीडीपी, बॉन्ड प्रतिफल, और मुद्रास्फीति जैसे आर्थिक कारक सोने की कीमतों के मजबूत रहने की संकेत दे रहे हैं, लेकिन बाजार में अभी भी जोखिम है। वर्तमान में सोने की कीमत 76,000-78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच की है। एलकेपी सिक्योरिटीज के एक विशेषज्ञ ने बताया कि अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के संकेत और मुनाफावसूली की वजह से सोने की कीमतों में गिरावट आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की परिभाषा में भी सोने के बाजार में महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है। ट्रंप के व्यवसाय समर्थक एजेंडे से घरेलू भावना में सुधार की उम्मीद है, लेकिन वैश्विक निवेशक मुद्रास्फीति और सप्लाई चेन के मुद्दों से चिंतित हैं। नीतियों में कटौती की उम्मीद है, जो सोने को समर्थन दे सकतीहै, लेकिन चुनौतियों का सामना भी हो सकता है। भारत और चीन के संकेत सोने की कीमतों पर भी प्रभाव डाल सकते हैं। चीन में आर्थिक विकास और सरकारी उत्साह उपभोक्ता मांग पर असर डाल सकते हैं, जबकि भारत में आर्थिक निरंतरता और वित्तीय स्थिरता सोने की कीमतों में लचीलापन ला सकती है। सामग्री में 2025 में सोने की कीमतों में सामान्यतः स्थिरता का अनुमान लिया जा रहा है और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी से इसे एक स्थिर आधार पर लाने की आशा है।

लग्जरी कारों पर भारी छूट से आकर्षित हो रहे ग्राहक

नई दिल्ली ।

लग्जरी कारों का उत्पादन करने वाली कंपनियों ने पिछले पांच सालों में सबसे बड़ी छूट पेश की है, जिससे अब पहली बार लग्जरी कार खरीदने वाले ग्राहक भी आकर्षित हो रहे हैं। मर्सडिज बेंज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी जैसी प्रमुख लग्जरी कार कंपनियां इस साल अपने ग्राहकों को अभूतपूर्व छूट दे रही हैं।

गुड़गांव की कारोबारी नीला गुप्ता ने हाल ही में 37 लाख रुपये की ऑडी ए4 खरीदी, जो उन्हें भारी छूट पर मिली। इससे पहले उनकी पसंद 28.86 लाख रुपये की एक अन्य ब्रांड की कार थी।

रिटेल सेल्स में चौथे स्थान पर पहुंच चुकी ऑडी ने इस साल अपनी कारोबारी रणनीति के तहत छूट की घोषणा की थी। कंपनी का लक्ष्य भारत में 100,000 कारों की बिक्री करना है।

इसके साथ ही मर्सडिज बेंज और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियां भी अपनी कारों पर शानदार छूट दे रही हैं। ऑडी ए4 पर 7 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है, वहीं बीएमडब्ल्यू की एक्स5 एसयूवी पर 8-10 लाख रुपये तक की छूट उपलब्ध है। डीलर के पास मौजूद स्टॉक के आधार पर ये छूट 10 लाख रुपये से लेकर 15 लाख रुपये तक हो सकती है, जो इन कारों की औसत कीमत का 10-20 प्रतिशत तक है। हालांकि, मर्सडिज बेंज की स्थिति बाकी कंपनियों से अधिक मजबूत है, क्योंकि कंपनी ने नवंबर महीने में अपनी बिक्री में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इन छूटों का फायदा ग्राहक बड़े पैमाने पर उठा रहे हैं, खासकर जो पहली बार लग्जरी कार खरीद रहे हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एनएमआईआईए में 74 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

1,628 करोड़ रुपए में हुई डील, ये सहायक कंपनी की तरह काम करेगी

मुंबई ।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने नवी मुंबई में स्थित नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईआईए) में 74 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का एलान किया है। इस डील के लिए रिलायंस ने 1,628 करोड़ रुपए का निवेश किया है। एनएमआईआईए महाराष्ट्र में इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल एरिया का विकास कर रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस समय एनएमआईआईए के साथ साझेदारी करने पर गर्वित महसूस किया। इस संयुक्त पुनर्निवेशन का मकसद एनएमआईआईए के भविष्य को और मज़बूत बनाना है। यह पारंपरिक भारतीय उद्यमिता के लिए एक और बड़ा कदम है। एनएमआईआईए की शुरुआत 15 जून, 2004 में हुई थी और इसने अपने कारोबार में सात्विक वृद्धि देखी है। एनएमआईआईए ने अब तक वित्त वर्ष 24 में 34.89 करोड़ रुपए, 23 में 32.89 करोड़ रुपए और 22 में 34.74 करोड़ रुपए का व्यवसाय किया है। इस नई योजना के साथ एनएमआईआईए ने महाराष्ट्र सरकार के स्पेशल प्लानिंग अथॉरिटी के तहत विकास के लिए नियुक्त किया गया है। यह अथॉरिटी शहर

की योजना और विकास का काम संभालेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीसरा टेस्ट : हेड और स्मिथ के शतकों से ऑस्ट्रेलिया का विशाल स्कोर , 405/7

-बुमराह ने लिए पांच विकेट

गाबा (एजेंसी)। ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शानदार शतकों से ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 405 रन बना लिए थे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय मिचेल स्टार्क 7 रन और एलेक्स कैरी 45 रन बनाकर खेल रहे थे। ट्रेविस हेड ने 152 रन और स्टीव स्मिथ ने 101 रन की पारी खेली। वहीं, भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए जबकि सिराज और नीतीश को एक-एक विकेट मिला।। वहीं पहले दिन बारिश के कारण केवल 13.2 ओवर का ही खेल हो पाया। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर मेजबानों को बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। पहले दिन केवल 13.2 ओवर ही फेंके जा सके थे जिसमें मेजबानों ने 28 रन बनाये थे।

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन के बिना किसी विकेट के 28 रन से आगे खेलना शुरू किया और दिन भर में 377 रन बनाए और सात विकेट खोये। बुमराह ने पहले सत्र में उस्मान ख्वाजा 21 और नाथन मैकस्वीनी 9 को पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद पहले सत्र में ही नीतीश रेड्डी ने मार्नस लाबुशेन को 12 रनों पर ही आउट कर दिया।, इसके बाद स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड ने अच्छी साझेदारी कर स्कोर आगे बढ़ाया । दोनों ने चौथे विकेट के लिए 242 रन की साझेदारी निभाई। हेड ने टेस्ट करियर का नौवां और स्मिथ ने 33वां शतक लगाया ।स्मिथ 190 गेंद पर 12 चौके की मदद से 101 रन और हेड 160 गेंद पर 18 चौके की मदद से 152 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मिचेल मार्श पांच रन और कप्तान पैट कमिंस 20 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने सातवें विकेट के लिए कैरी के साथ 58 रन की साझेदारी निभाई।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन लंच तक अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 104 रन बना लिए हैं। दूसरे दिन पहले सेशन में 76 रन बने और तीन विकेट गिरे। दूसरे सेशन में ट्रेविस हेड ने अपना शतक पूरा किया। हेड ने केवल 115 गेंदों में ही अपना शतक लगा दिया। इसमें 13 चौके शामिल थे।

डब्ल्यूपीएल 2025: सिमरन शेख सबसे महंगी खिलाड़ी बनी, 16 वर्षीय जी कमलिनी 1.60 करोड़ में बिकी

बेंगलुरु (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 की रविवार को हुई मिनी नीलामी में लेग स्पिनर को सिमरन शेख को मुंबई इंडियंस ने दिन की सबसे बड़ी बोली लगाकर 1.90 करोड़ रुपए में खरीदा। सिमरन का यह चयन उनकी टी-20 क्रिकेट में उनकी गेम-चेंजर की भूमिका को दर्शाता है।

इसके अलावा मुंबई ने शानदार प्रदर्शन कर रही तमिलनाडु की 16 वर्षीय जी कमलिनी को 1.60 करोड़ रूपये में खरीदा। कमलिनी के लिए अनकैप्ड में सबसे बड़ी बोली लगी। वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन को गुजरात जायंट्स ने 1.70 करोड़ रुपए में खरीदा। डॉटिन ने हाल ही में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2024 में शानदार प्रदर्शन किया था। विश्वकप में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ रन देकर चार विकेट लिए थे। इसके अलावा उन्होंने 167.3 की स्ट्राइक रेट से 82 रन भी बनाए थे।

नीलामी में प्रमुख भारतीय खिलाड़ी स्नेह राणा और पूनम यादव शुरुआती दौर में नहीं मिला खरीदार। इस बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने प्रेमा रावत को 1.2 करोड़ रुपए में और दिल्ली कैपिटल्स ने एन. चरानी को 55 लाख रुपए में खरीदा।

बुमराह ने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह इसी के साथ ही विदेशी हालातों में सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाज बनकर उभरे हैं। बुमराह ने इसी के साथ ही महान ऑलराउंडर कपिल देव को भी पीछे छोड़ दिया।

ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन बुमराह ने स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड के विकेट लिए। दोनों को आउट करते हुए उन्होंने 25 ओवर में 2.90 की इकॉनमी रेट से 72 रन देकर पांच विकेट लिए। इस प्रकार एशिया के बाहर बुमराह ने 10 वीं बार 5 विकेट लिए हैं। इससे पहले कपिल के नाम एशिया के बाहर 9 बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड था। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में तीन, दक्षिण अफ्रीका में तीन और वेस्टइंडीज तथा इंग्लैंड में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरी ओर, कपिल ने ऑस्ट्रेलिया में 5, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। बुमराह के सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में 8 पांच विकेट है, जिसने कपिल को एक बार फिर पीछे छोड़ दिया जिनके नाम इन देशों में 7 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड था।

ऋषभ ने बनाया रिकार्ड, 150 शिकार करने वाले तीसरे भारतीय विकेटकीपर बने

गाबा (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। ऋषभ ने इस मैच में जसप्रीत बुमराह की गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का कैच पकड़ते ही टेस्ट विकेटकीपर के तौर पर अपना 150वां शिकार किया। ऋषभ ने कार हादसे से उबरकर जिस पकार की विकेटकीपिंग की है। उससे सभी हैरान हैं। इस युवा क्रिकेटर ने सीमित ओवरों के अलावा टेस्ट क्रिकेट में अपनी फिटनेस को साबित किया है।

वह 150 शिकार करने वाले तीसरे भारतीय विकेटकीपर बने हैं।

उनसे पहले ये उपलब्धि महेन्द्र सिंह धोनी और सैयद किरमानी ने हासिल की थी। ऋषभ ने अब तक 41 टेस्ट मैचों में 135 कैच पकड़ने के साथ ही 15 स्टम्पिंग की हैं। धोनी इस सूची में पहले नंबर पर हैं उन्होंने विकेटकीपर के तौर पर कुल 294 शिकार किये हैं। जिसमें 256 कैच और 38 स्टम्पिंग हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रहे सैयद किरमानी के नाम 198 शिकार हैं जिसमें उन्होंने 160 कैच पकड़े हैं जबकि 38 स्टम्पिंग की हैं। अब ऋषभ को किरमानी को पीछे छोड़ने के लिए 49 और शिकार बतौर विकेटकीपर टेस्ट क्रिकेट में करने हैं।

ब्रिस्बेन का गाबा मैदान इस युवा क्रिकेटर के लिए काफी अच्छा रहा है। यहां उन्होंने पिछली बार शानदार बल्लेबाजी करते हुए 97 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

रुट न्यूजीलैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी खिलाड़ी बने, मियांदाद से आगे निकले

हैमिल्टन । इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच यहां तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने 32 रनों की पारी खेलकर भी एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही रुट ने पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज जावेद मियांदाद का एक रिकार्ड तोड़ दिया। अब रुट न्यूजीलैंड की धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के मियांदाद का रिकॉर्ड तोड़ा है। रुटा के अब न्यूजीलैंड की धरती पर कुल 952 टेस्ट रन हो गये हैं जबकि मियांदाद ने न्यूजीलैंड की धरती पर 928 टेस्ट रन बनाए थे। वहीं 842 रनों के साथ भारत के सचिन तेंदुलकर तीसरे नंबर पर हैं। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 347 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड की आधा टीम अपनी पहली पारी में 100 रनों में ही पेवेलियन लौट गयी। इन हालातों में रुट ने टीम को संभालने का प्रयासा किया।

गाबा टेस्ट ड्रॉ भी हुआ तो भी डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में नहीं आयेगा बदलाव

गाबा । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बारिश के कारण खेल कुछ ही ओवर हो पाया। यहां जिस प्रकार के हालात हैं उसमें आगे भी बारिश होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो ये मैच ड्रॉ होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।अगर यह मैच ड्रॉ हुआ तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका पर किस प्रकार का प्रभाव होता है ये सवाल सभी के मन में उठ रहे हैं।

डब्ल्यूटीसी अंत तालिका में अभी दक्षिण अफ्रीका 63.33 अंक प्रतिशत के साथ पहले नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलिया (60.71) अंक प्रतिशत के साथ दूसरे और भारतीय टीम 57.29 अंक प्रतिशत के साथ ही तीसरे नंबर पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद श्रीलंका 45.45 अंक प्रतिशत के साथ ही चौथे नंबर पर है। वहीं अगर गाबा टेस्ट मैच ड्रॉ हो जाता है तो भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के अंक जरुर घट जाएंगे पर अंक तालिका में कोई बदलाव नहीं आएगा। मैच ड्रॉ होने पर ऑस्ट्रेलिया के अंक प्रतिशत 60.71 से घटकर 58.89 रह जाएंगे। वहीं भारतीय टीम के अंक प्रतिशत 57.29 से कम होकर 55.88 पर फिसल जाएंगे पर दोनों टीमों की रैंकिंग नहीं बदलेगी। ऑस्ट्रेलिया पहले की तरह दूसरे और भारतीय टीम तीसरे नंबर पर बनी रहेगी। वहीं इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका पहले और श्रीलंका चौथे नंबर पर बरकरार रहेगी। न्यूजीलैंड 45.24 अंक प्रतिशत के साथ ही पांचवें नंबर पर है।

राहुल को खरीदना ही नहीं चाहती थी आरसीबी

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) ने जब आईपीएल 2025 के लिए पिछले माह हुई नीलामी में के ए राहुल पर बोली नहीं लगायी थी तो सभी हैरान हो गये थे। वहीं अब ये खुलासा हुआ है कि आरसीबी की राहुल को खरीदने की कोई योजना ही नहीं थी। आईपीएल का 18वां सीजन 14 मार्च से 25 मई तक खेला जाएगा। मेगा नीलामी में आरसीबी ने अपनी पसंद के कई खिलाड़ी खरीदे हैं हालांकि, फ्रेंचाइजी के कुछ फैसलों से सभी हैरान भी हुए इसमें से एक था राहुल को न खरीदना। इसका कारण है कि नीलामी से पहले कहा जा रहा था कि राहुल को आरसीबी किसी भी कीमत में खरीदेगी। यहां तक कहा गया था कि आरसीबी राहुल को कप्तान भी बनाएगी पर बाद से ये सभी बातें गलत निकलीं। आरसीबी की जिन खिलाड़ियों को खरीदने की सूची सामने आई है। उससे सभी हैरान हैं। लिस्ट सामने आई है, जिसने सभी को चौंका दिया है. इस सूची में राहुल ही नहीं श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत जैसे बड़े खिलाड़ियों के नाम भी नहीं थे। इससे साफ है कि आरसीबी इन्हें नहीं चाहती थी। आरसीबी की सूची में स्पिनर युजवेंद्र चहल और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का नाम जरूर था। इसके अलावा टीम की टिम डेविड और लियाम लिविंगस्टोन को भी खरीदने की योजना थी। जिसमें वह सफल भी रही। इसके अलावा आरसीबी की सचूी में भुवनेश्वर कुमार भी शामिल थे। इसी वजह से उसने भुवी को मोटी रकम देकर खरीदा था। इसके अलावा टी नटराजन, डेविड मिलर और जोश हेजलवुड भी उसकी योजना में शामिल थे।

सिराज पर निशाना साधने वालों को गावस्कर का जवाब, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' का दोहरा चरित्र दिखाया

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने एडीलेड में दिन रात्रि टेस्ट में ट्रेविस हेड के साथ विवाद में मोहम्मद सिराज पर निशाना साधने को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' के दोहरे चरित्र की आलोचना की है। पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने शतक पूरा करने के बाद डीप स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया था।

हेड ने दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की% लेकिन भारतीय गेंदबाज ने इस दावे से इनकार किया। सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और हेड को फटकार लगाई गई जबकि दोनों खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक-एक डिमेरिट अंक भी दिया। गावस्कर ने 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' में कटाक्ष करते हुए लिखा, 'सिराज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के 'पंडितों' से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसी प्रतिक्रिया वहीं दे रहे जिन्हें मैदान पर इस तरह के व्यवहार के लिए जाना जाता है।'

उन्होंने लिखा, 'इससे ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक नाराज हो सकते हैं कि सिराज ने शानदार शतक बनाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को आक्रामक इशारा किया।' गावस्कर ने दोहरे चरित्र पर कटाक्ष किया कि कैसे यही लोग अपने खिलाड़ियों के असभ्य व्यवहार का समर्थन करते हैं। उन्होंने लिखा, 'यह लोग हालांकि अगले सत्र में की एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया के किसी तेज गेंदबाज की इंग्लैंड के बल्लेबाज के खिलाफ इस तरह की हरकत का समर्थन करेंगे। मीडिया में कुछ सुझाव थे कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को को फिर से पहले की तरह बेहद आक्रामक रवैया अपनाना चाहिए।'

गावस्कर हालांकि सिराज के गुस्से से आश्चर्यचकित थे क्योंकि आईपीएल ने खिलाड़ियों के बीच कटुता को कम कर दिया था। उन्होंने कहा, 'सिराज का गुस्सा आश्चर्यजनक था क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग ने ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटरों और कोचों को करोड़पति बनाने के अलावा एक काम किया है और वह काम है पहले से मौजूद कटुता को काफी हद तक कम करना।'

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी में असंतोष

नई दिल्ली - भारत द्वारा सीमा पार जाने से इनकार करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी हाइब्रिड प्रारूप में करने के फैसले से संगठन में असंतोष पैदा हो गया है। सूत्रों ने के मुताबिक पाकिस्तान द्वारा इस फैसले को स्वीकार करने के तरीके से कई सदस्य नाखुश हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव की पुष्टि की है जिसमें भारत दुबई में अपने मैच खेलेगा, जबकि पाकिस्तान बाकी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मुआवजे के तौर पर पाकिस्तान को कोलंबो में 2026 टी20 विश्व कप में अपने मैच खेलने की अनुमति दी गई है। पाकिस्तान को 2027 के बाद आईसीसी महिला आयोजन की मेजबानी का अधिकार भी दिया गया है। पीसीबी द्वारा इस फॉर्मूले को स्वीकार करने के साथ ही हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी के भीतर लड़ाई शुरू हो गई है। सूत्रों ने बताया कि कुछ सदस्यों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को आईसीसी की रणनीति से दूर रहना चाहिए। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ उन लोगों में से एक हैं जो पीसीएच द्वारा हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताने के तरीके से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 2027 के बाद महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की पेशकश करना हाइब्रिड मॉडल में सीटी 2025 की मेजबानी के लिए कोई मुआवजा नहीं है।

ऋषभ को लेकर ऑस्ट्रेलिया में भी दीवानगी का माहौल, मुखौटे पहने नजर आये प्रशंसक

गाबा । भारतीय टीम के युवा क्रिकेटर ऋषभ पंत को लेकर ऑस्ट्रेलिया में भी दीवानगी का माहौल है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि दोनो टीमों के बीच तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए लिए पहुंचे प्रशंसक ऋषभ के मुखौटे पहने नजर आये। ये प्रशंसक ढोल की थाप पर नाचते दिखे। बारिश के कारण भले ही खेल नहीं हो पाया पर ऋषभ के प्रशंसक जमे रहे। ये प्रशंसक इस भारतीय क्रिकेटर के नाम के मुखौटे पहने हुए थे। वह उनके नाम के नारे लगा रहे थे तो कई ढोल की थाम पर नाचते हुए भी दिखे। गाबा को वैसे भी साल 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऋषभ की आक्रामक पारी के लिए याद किया जाता है। इस स्थल पर वापस आने के बारे में बात करते हुए इस क्रिकेटर ने भी पिछले दिनों कहा था कि उन्हें यहां आकर बेहद खुशी हुई और वह सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए थे क्योंकि इस स्थल की उन्हें कुछ शानदार यादें हैं। प्रशंसकों ने इस युवा क्रिकेटर का गर्मजोशी से स्वागत किया और उसे समर्थन में नारे लगाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इसी मैदान पर इस क्रिकेटर ने अपने टेस्ट करियर की सबसे यादगार पारी खेली थी। टीम इंडिया को उसे मैच में 407 रन का लक्ष्य मिला था। तब ऋषभ ने 97 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे मोहम्मद शमी, इस टीम में हुए शामिल

नई दिल्ली - तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की 20 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। शमी ने हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के लिए सभी नौ मैचों में खेलते हुए 7.85 की इकॉनमी से 11 विकेट लिए। टूर्नामेंट के दौरान उनके घुटने में सूजन आ गई जिससे टेस्ट क्रिकेट के लिए उनकी तैयारी में बाधा आई। वह ऑस्ट्रेलिया में चल रही टेस्ट सीरीज के लिए अपनी फिटनेस हासिल करने करने का प्रयास कर रहे है। शमी के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार भी सुदीप कुमार घरामी की अगुवाई वाली बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। मुकेश फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजी रिजर्व के तौर पर हैं। बंगाल अपना अभियान 21 दिसंबर को हैदराबाद में दिल्ली के खिलाफ शुरू करेगा। खिलाड़ी बुधवार को कोलकाता से हैदराबाद के लिए रवाना होंगे।

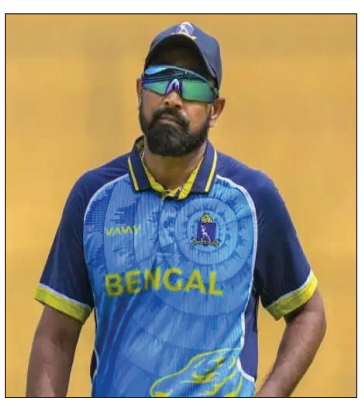

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीम - सुदीप कुमार घरामी (कप्तान), मोहम्मद शमी, अनुस्तुप मजूमदार, अभिषेक पोरेल (विकेट कीपर), सुदीप चटर्जी, करण लाल, शाकिर हबीब गांधी (विकेट कीपर), सुमंत गुप्ता, शुभम चटर्जी, रंजोत सिंह खैरा, प्रदीप प्रमाणिक, कौशिक मैती, विकास सिंह, मुकेश कुमार, सक्षम चौधरी, रोहित कुमार, मोहम्मद कैफ, सूरज सिंधु जायसवाल, सायन घोष और कनिष्क सेठ।

मेरा शतरंज खेलने का कारण पैसा नहीं, करोड़पति बनने पर बोले विश्व चैंपियन गुकेश

बेंगलुरू (एजेंसी)। सिंगापुर-नए विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए करोड़पति बनने का तमगा बहुत मायने रखता है लेकिन वह भौतिक लाभ के लिए नहीं खेलते बल्कि इसका आनंद उठाने के लिए खेलते हैं और वह इस लगाव को तब से बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं जब शतरंज बोर्ड उनके लिए सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था।

चेन्नई के 18 वर्षीय गुकेश अब 11.45 करोड़ रुपए अधिक अमीर हो गए हैं जो उन्हें फाइनल में चीन के डिंग लिरेन को हराने के लिए फिडे से पुरस्कार राशि के रूप में मिलेगा। गुकेश के पिता रजनीकांत ने अपने बेटे के साथ सर्किट पर जाने के लिए 'ईएनटी सर्जन' के तौर पर अपना करियर छोड़ दिया जबकि उनकी मां पद्मकुमारी एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं जो परिवार की एकमात्र कमाने वाली बन गईं।

यह पूछे जाने पर कि करोड़पति होना उनके लिए क्या मायने रखता है तो गुकेश ने एक इंटरव्यू के रूप में फिडे को बताया, 'यह बहुत मायने रखता है। जब मैं शतरंज में आया तो हमें एक परिवार के रूप में कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़े। मेरे माता-पिता वित्तीय और भावनात्मक कठिनाइयों से गुजरे थे। अब, हम अधिक सहज हैं और मेरे माता-पिता को उन चीजों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। व्यक्तिगत रूप से मैं पैसे के लिए शतरंज नहीं खेलता।'

वह हमेशा याद रखने की कोशिश करते हैं कि जब उसे अपना पहला शतरंज बोर्ड मिला था तो उन्होंने यह खेल क्यों खेलना शुरू किया था। नए विश्व चैम्पियन बने गुकेश ने कहा, 'मैं अब भी वही बच्चा हूं जिसे शतरंज पसंद है। यह सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था।' मितभाषी विश्व चैंपियन के पिता उनके प्रबंधक की भूमिका निभाते हैं, उनकी सभी ऑफ-बोर्ड गतिविधियों का ध्यान रखते हैं और उसे खेल पर ध्यान केंद्रित करने देते हैं जबकि उनकी मां भावनात्मक और आध्यात्मिक शक्ति का स्तंभ है। गुकेश ने कहा, 'मां अब भी कहती है। मुझे यह जानकर खुशी होगी कि तुम एक महान शतरंज खिलाड़ी हो, लेकिन मुझे यह सुनकर अधिक खुशी होगी कि तुम एक महान व्यक्ति हो।'

अब भी अपनी किशोरावस्था में गुकेश को लगता है कि खेल के एक छात्र के रूप में वह जितना अधिक शतरंज के बारे में सीखेगा, उतना ही उसे पता चलेगा कि वह कितना कम जानता है। उन्होंने कहा, 'यहां तक सबसे महान खिलाड़ी भी बहुत सारी गलतियां करते हैं। भले ही तकनीक इतनी उन्नत हो, लेकिन शतरंज के बारे में अब भी बहुत कुछ सीखना बाकी है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जितना अधिक आप कुछ सीखते हैं, उतना ही आपको अहसास होता है कि आप उस चीज को नहीं जानते हैं।' गुकेश ने कहा, 'जब भी मैं शतरंज बोर्ड पर होता हूं तो मुझे लगता है कि मैं कुछ नया सीख रहा हूं। यह असीमित सुंदरता की प्रक्रिया है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कहानी

बंदर और दो बिल्लियां

एक बार दो बिल्लियों को एक रोटी मिली और वो दोनों बिल्लियां उस रोटी के लिए निरंतर लड़ रही थी। पहली बिल्ली ने कहा वह रोटी उसकी है तो छोटी बिल्ली भी कैसे पीछे हटती उसने भी कहा कि वह रोटी उसकी है। वहाँ पास में एक पेड़ पर काफी देर से बैठा बंदर सब कुछ देख रहा था और इसलिए उसने सोचा कि क्यों न वह इन दोनों बिल्लियों की मदद करे ? वह बिल्लियों के पास गया और बोला कि वह रोटी को बराबर दो हिस्सों में करता है ताकि तुम दोनों को बराबर रोटी मिले। दोनों बिल्लियां इस बात पर राजी हो गईं पर जब बंदर ने रोटी के दो हिस्से किए तो एक टुकड़ा बड़ा और एक टुकड़ा छोटा हो गया। इसलिए उसने बड़ेवाले टुकड़े से थोड़ी सी रोटी तोड़ कर खा ली और इस बार रोटी का दूसरा हिस्सा बड़ा हो गया। यह कुछ देर तक चलता रहा और बंदर रोटी के दोनों टुकड़ों को बराबर करने के लिए लगातार उससे एक-एक बाईट खाता रहा। अंत में उसने पूरी रोटी खा ली। अब क्या था दोनों बिल्लियों को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने बंदर से पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया तो चालाक बंदर ने कहा कि यदि तुम दोनों खुद ही इस समस्या को सुलझाती तो ऐसा नहीं होता। पर तुम ऐसा नहीं कर सकी और तुम्हारे पास जो भी था वह भी तुमने खो दिया। बंदर खुशी-खुशी अपने घर चला गया और दोनों बिल्लियां भूखी रह गईं।

कहानियां अक्सर हमें हमारे बचपन में ले जाती हैं। किसी के लिए स्टोरीटेलिंग एक कला है तो किसी के लिए यह एक परंपरा है। बहुत पहले से लोग अपने बच्चों को कहानियां सुनाते रहे हैं और बच्चे उतने ही इंट्रेस्ट से कहानियों को सुनते भी आए हैं। ऊपर दी हुई कहानियां काफी लोकप्रिय हैं और आपका बच्चा भी इन कहानियों को बहुत पसंद करेगा इसलिए आप उसे यह कहानियां जरूर सुनाएं। कहानियों से बच्चों की कल्पनाएं व क्रिएटिविटी बढ़ती है और साथ ही बच्चे की वोकैब्युलरी में भी सुधार आता है। बच्चों के लिए ज्यादातर कहानियों में मॉरल भी होता है। इससे आपके बच्चे को वैल्यूज सीखने को मिलती हैं और उसमें सही-गलत पहचानने की समझ आती है। कहानियों में ढेर सारा मनोरंजन भी होता है।

भगवान शिव के पहले शिष्य कौन थे

क्या शिव और शंकर एक हैं,

कौन थे महादेव के पहले शिष्य, कैसे हुई देवाधि देव की उत्पत्ति

भगवान शिव को सनातन संस्कृति देवों के देव महादेव कहा जाता है। इसके अलावा हिंदू धर्म को मानने वाले उन्हें भगवान शंकर भी कहते हैं। उनके महेश, रुद्र, गंगाधर, भोलेनाथ, गिरीश जैसे कई नाम हैं। तंत्र साधना करने वाले भगवान शंकर को भैरव भी कहते हैं। भगवान शंकर को सौम्य और रौद्र दोनों रूपों में पूजा जाता है। भगवान शिव को त्रिदेवों में संहार का देवता माना जाता है। वैसे तो भगवान शिव को हमेशा कल्याणकारी माना जाता है, लेकिन वे लय और प्रलय दोनों को अपने अधीन रखते हैं।

भगवान शिव सुर और असुर दोनों को समान दृष्टि से देखते हैं। इसलिए कथा-कहानियों में कई राक्षसों के उनकी कठिन तपस्या करने की जानकारियां मिलती हैं। भगवान शिव के कई अनन्य भक्तों में एक लंकाधिपति रावण भी हुए। कई राक्षसों ने उन्हें अपने तप से प्रसन्न कर मनचाहा वरदान पाया। सवाल ये उठता है कि भगवान शिव के भक्तों की कई कहानियां सुनी-सुनाई जाती हैं, लेकिन उनके पहले शिष्य की जानकारी बहुत कम उपलब्ध होती है। जानते हैं कि भगवान शंकर के पहले भक्त कौन थे

भगवान शिव के पहले शिष्यों की जानकारी पुराणों में मिलती है। पुराणों के मुताबिक, भगवान शिव के सबसे पहले शिष्यों में सप्तऋषियों की गिनती होती है। मान्यता है कि सप्तऋषियों ने भगवान शिव के ज्ञान का प्रचार धरती पर किया था। इसी की वजह से विभिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। ये भी माना जाता है कि भगवान शिव ने ही गुरु शिष्य परंपरा की शुरआत की थी। शिव के सबसे पहले शिष्यों में बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, महेंद्र, प्राचेतस मनु, सहस्राक्ष और भारद्वाज शामिल थे।

क्या एक हैं भगवान शिव और शंकर

ज्यादातर सनातन परंपरा के अनुयायी शिव और शंकर को एक ही मानते हैं। हालांकि, शिव पुराण में जिक्र किया गया है कि सबसे पहले एक प्रकाश पुंज की उत्पत्ति हुई। इस प्रकाश पुंज से ब्रह्मा और विष्णु की उत्पत्ति हुई। जब ब्रह्माजी ने पूछा कि आप कौन हैं तो पुंज से आवाज आई कि मैं शिव हूं। इस पर ब्रह्मा जी ने प्रकाश पुंज से साकार रूप लेने को कहा। फिर उस प्रकाश पुंज से शंकर की उत्पत्ति हुई। इस आधार पर कहा जा सकता है कि शिव और शंकर एक ही शक्ति के अंश हैा, लेकिन दोनों अलग हैं। दोनों फर्क इतना है कि शिव प्रकाश पुंज स्वरूप हैं और अब हम उनकी शिवलिंग के रूप में पूजी करते हैं, जबकि शंकर सशरीर देव स्वरूप हैं।

किसका ध्यान करते हैं भगवान शंकर

कुछ पुराणों में भगवान शंकर को शिव इसलिए कहते हैं, क्योंकि वे निराकार शिव के समान है। निराकार शिव को ही शिवलिंग के रूप में पूजा जाता है। ज्यादातर जगहों पर भगवान शंकर को योगी के रूप में दिखाया जाता है। कई जगह देखा जाता है कि भगवान शंकर खुद आंखें बंद किए ध्यान मुद्रा में बैठे हैं। कभी सोचा है कि आखिर देवाधिदेव महादेव किसका ध्यान कर रहे हैं। तो इसको लेकर अलग-अलग कथाएं हैं। रामचरित मानस में भगवान शिव और श्रीराम को एकदूसरे का उपासक बताया गया है। शिवपुराण में खुद भगवान शिव माता पार्वती को बताते हैं कि वह श्रीराम का ध्यान करते हैं। वहीं, कुछ पुराणों में बताया जाता है कि भगवान शंकर शिव का ध्यान करते रहते हैं। कुछ जगहों पर भगवान शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए भी चित्रित किया गया है। इससे भी साफ होता है कि शिव और शंकर दो अलग सत्ताएं हैं।

भगवान शिव की उत्पत्ति कैसे हुई

मान्यता है कि भगवान शिव स्वयंभू हैं यानी खुद ही प्रकट हुए हैं, लेकिन पुराणों में उनकी उत्पत्ति का विवरण मिलता है। विष्णु पुराण के अनुसार, जहां भगवान विष्णु ब्रह्माजी की नाभि से उत्पन्न हुए थे। वहीं, भगवान शिव विष्णु जी के माथे के तेज से उत्पन्न हुए। विष्णु पुराण के मुताबिक, माथे के तेज से उत्पन्न होने के कारण ही शिव-शंभू हमेशा योगमुद्रा में रहते हैं। वहीं, भगवान शिव से एक और मान्यता जुड़ी है कि नंदी और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं और रुद्रदेवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

शिवजी की कितनी पत्नियां हुईं

ज्यादातर जगहों पर भगवान शिव की दो पत्नियों का ही उल्लेख मिलता है। इनमें पहली देवी सती और दूसरी माता पार्वती। वहीं, अगर हिंदू पौराणिक कथाओं की मानें तो महादेव ने एक दो नहीं बल्कि चार विवाह किए थे। उनके सभी विवाह आदिशक्ति से ही हुए थे। भगवान शिव का पहला विवाह माता सती के साथ हुआ। वह प्रजापति दक्ष की बेटी थीं। माता सती के पिता ने जब भगवान शिव का अपमान किया तो उन्होंने यज्ञकुंड में खुद को भस्म कर अपने प्राणों की आहुति दे दी। इसके बाद उन्होंने हिमालय की बेटी पार्वती के रूप में जन्म लिया। माता पार्वती के रूप में आदिशक्ति ने भगवान शिव से दूसरा विवाह किया। धर्मग्रंथों में भगवान शिव की तीसरी पत्नी देवी उमा को बताया जाता है। वहीं, उनकी चौथी पत्नी मां महाकाली को बताया गया है।

भगवान शिव को इन 5 राशियों के लोग होते हैं सबसे प्रिय

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि भगवान को 5 राशियां सबसे प्रिय होती हैं और भगवान शिव इन राशियों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। शिव पुराण के अनुसार, भगवान शिव स्वभाव से बहुत भोले होते हैं और सच्चे मन से पूजा करने पर बहुत जल्द ही प्रसन्न हो जाते है। मान्यताओं के अनुसार मेष और मकर सहित 5 राशियों के लोग भगवान शिव को सबसे प्रिय होते हैं। सावन के महीने में इन राशियों के लोग शिवजी की पूजा से जुड़े कुछ उपाय करें तो भोलेनाथ उनकी हर इच्छा पूरी करते है। देखें कौन सी हैं ये 5 राशियां।

मेष राशि पर शिवजी की विशेष कृपा

मंगल के स्वामित्व वाली मेष राशि भगवान शिव की 5 प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। भोलेबाबा की कृपा से इनके सभी बिगड़े काम बन जाते हैं और उनके आशीर्वाद से करियर और कारोबार में तरक्की होती है। शिवजी इनके शुभ कार्य में आ रही हर बाधा को दूर करते हैं और इस राशि के लोग खूब नाम कमाते हैं। उपाय के रूप में आपको सावन में रोजाना तांबे के लोटे में गुड़ और लाल चंदन डालकर शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए।

कर्क राशि की हर इच्छा पूरी करेंगे महादेव

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं जिनको भगवान शिव ने अपने मस्तक पर धारण किया हुआ है। इसलिए कर्क भी भगवान शिव की प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। कर्क राशि वालों की भोलेबाबा सदैव रक्षा करते हैं और उन्हें सदैव विपत्ति से बचाते हैं। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत सहनशील होते हैं, इसलिए इनके धैर्यपूर्ण स्वभाव की वजह से भगवान शिव इन्हें बहुत पसंद करते हैं। उपाय के रूप में आपको रोजाना सावन में चांदी के लोटे से शिवलिंग पर दूध चढ़ाना चाहिए।

तुला राशि पर कृपा बरसाते हैं महादेव

शुक्र के स्वामित्व वाली तुला राशि भगवान शिव की प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत आध्यात्मिक प्रकृति के माने जाते हैं और यही वजह है कि जो शिवजी इस राशि के लोगों के साथ हमेशा खड़े रहते हैं। शिवजी इनका हर बिगड़ा काम संवार देते हैं और सदैव इनके सिर पर सदैव हाथ रखते हैं। सावन में रोजाना आपको पानी में मिसरी डालकर जलाभिषेक करना चाहिए और ऊं नम: शिवाय मंत्र का जप करना चाहिए।

मकर राशि की हर मुराद सुनते हैं महादेव

मकर राशि के स्वामी शनि महाराज हैं। शनि भगवान शिव को अपना आराध्य मानते हैं और कहते हैं कि उन्होंने शिव जी की कृपा से ही दंडाधिकारी का पद प्राप्त किया था इसलिए शिवजी को मकर राशि भी बहुत प्रिय होती है। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत मेहनती होते हैं यही वजह है कि हर मुश्किल वक्त में भगवान शिव इनकी रक्षा करते हैं। उपाय के रूप में आपको सावन में रोजाना शिवलिंग पर जल में काले तिल डालकर शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए।

कुंभ राशि की सदैव रक्षा करते हैं महादेव

कुंभ राशि वाले भी भगवान शिव को सबसे प्रिय होते हैं। कुंभ राशि के लोग स्वभाव से बहुत सच्चे होते हैं और सदैव दूसरों की भलाई करने में लगे रहते हैं। कहते हैं कुंभ राशि वालों को भगवान शिव अकाल मृत्यु से बचाते हैं और उनको सदैवे सुख समृद्धि से भरपूर रखते हैं। भगवान शिव के आशीर्वाद से भगवान शिव अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करते हैं। उपाय के रूप में सावन में रोजाना शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाएं।

सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है श्रीशैलम

बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है। श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश का एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर भगवान शिव और देवी पार्वती के मंदिर के लिए जाना जाता है, जो भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं श्रीशैलम के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. श्रीशैलम मंदिर

श्रीशैलम मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर शैव और शक्ति भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ का वास्तुकला अद्भुत है और मंदिर के चारों ओर का वातावरण भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है।

2. बाणगंगा जलाशय

बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है।

3. श्रीशैलम डेम

श्रीशैलम डेम कृष्णा नदी पर बना एक विशाल बांध है। यह पर्यटकों के लिए एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है। यहाँ से नदी और आसपास के पहाड़ों का दृश्य मनमोहक होता है। पर्यटक यहाँ बोटिंग का आनंद भी ले सकते हैं।

4. राघवेंद्र स्वामी आश्रम

यह आश्रम संत राघवेंद्र स्वामी को समर्पित है और यहाँ भक्तों की एक बड़ी संख्या आती है। आश्रम का शांत वातावरण और साधना का स्थान भक्तों के लिए विशेष है।

5. किला श्रीशैलम

श्रीशैलम का किला ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहाँ की दीवारें और मीनारें एक समय की भव्यता को दर्शाती हैं। किले की चोटी से चारों ओर का दृश्य अद्भुत होता है और यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य देखने लायक होता है।

6. मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर

यह मंदिर श्रीशैलम के निकट स्थित है और यहाँ की भव्यता और आस्था भक्तों को आकर्षित करती है। यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है और यहाँ विशेष उत्सव और मेले आयोजित होते हैं।

श्रीशैलम तक पहुँचने के लिए सड़क और रेल दोनों सुविधाएँ उपलब्ध हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन मल्लिकार्जुनपुरम है, जबकि सबसे नजदीकी एयरपोर्ट हैदराबाद में है। यहाँ का मौसम पूरे साल यात्रा के लिए उपयुक्त होता है, लेकिन सर्दियों में यहाँ आना विशेष रूप से सुखद होता है सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज

देखा जाये तो श्रीशैलम एक ऐसा स्थान है जहाँ आप धार्मिकता, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव कर सकते हैं। यहाँ की यात्रा आपको न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अनुभव भी प्रदान करेगी। यदि आप आंध्र प्रदेश में यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो श्रीशैलम आपके लिए एक अनूठा गंतव्य है। यहाँ की यात्रा निश्चित रूप से आपके मन में अमिट यादें छोड़ जाएगी।

जब धरती पर बढ़े पाप तब भगवान ने लिए ये अवतार

हिंदु धार्मिक ग्रंथों की मान्यताओं के अनुसार, धरती पर बढ़ते पापों को खत्म करने के लिए भगवान खुद संसार में अवतार के रूप में प्रकट होते है। अब तक भगवान विष्णु के इन अवतारों को जाना जाता है।।।

गीता में चौथे अध्याय के एक श्लोक में भगवान कृष्ण ने कहा है :

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

इसका मतलब है, हे भारत, जब-जब धर्म की हानि होने लगती है और अधर्म बढ़ने लगता है, तब-तब मैं स्वयं की रचना करता हूं, अर्थात् जन्म लेता हूं। मानव की रक्षा, दुष्टों के विनाश और धर्म की पुन :स्थापना के लिए मैं अलग-अलग युगों (कालों) में अवतरित होता हूं।

तो आइए जानें श्रीहरि के दशावतारों के बारे में :

1। मत्स्य अवतार :

मत्स्य अवतार भगवान विष्णु का पहला अवतार है। इस अवतार में विष्णु जी मछली बनकर प्रकट हुए थे। मान्यता के अनुसार एक राक्षस ने जब वेदों को चुरा कर समुद्र की गहराई में छुपा दिया था, तब भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार में आकर वेदों को पाया और उन्हें फिर स्थापित किया।

2। वराह अवतार :

वराह अवतार हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से तीसरा अवतार है। इस अवतार में भगवान ने सुअर का रूप धारण करके हिरण्याक्ष राक्षस का वध किया था।

3। कच्छप अवतार :

कूर्म अवतार को कच्छप अवतार भी कहते हैं। इसमें भगवान विष्णु कछुआ बनकर प्रकट हुए थे। कच्छप अवतार में श्री हरि ने क्षीरसागर के समुद्रमंथन में मंदर पर्वत को अपने कवच पर रखकर संभाला था। मंथन में भगवान विष्णु, मंदर पर्वत और वासुकि सर्प की मदद से देवताओं और राक्षसों ने चौदह रत्न पाए थे।

4। नृसिंह भगवान :

ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से चौथा अवतार नृसिंह हैं। इस अवतार में लक्ष्मीपति नर-सिंह मतलब आधे शेर और आधे मनुष्य बनकर प्रकट हुए थे। इसमें भगवान का चेहरा शेर का था और शरीर इंसान का था। नृसिंह अवतार में उन्होंने अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए उसके पिता राक्षस हिरणाकश्यप को मारा था।

5। वामन अवतार :

भगवान विष्णु पांचवां अवतार हैं वामन। इसमें भगवान ब्राम्हण बालक के रूप में धरती पर आए थे और प्रहलाद के पौत्र राजा बलि से दान में तीन पद धरती मांगी थी। तीन कदम में वामन ने अपने पैर से तीनों लोक नाप कर राजा बलि का घमंड तोड़ा था।

6। परशुराम :

विष्णु के अवतार परशुराम राजा प्रसेनजित की बेटी रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र थे। दशावतारों में से वह छठवां अवतार थे। जमदग्नि के पुत्र होने की वजह से इन्हें जामदग्न्य भी कहते हैं। वह शिव के परम भक्त थे। भगवान शंकर ने इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर परशु शस्त्र दिया था। इनका नाम राम था और परशु लेने के कारण वह परशुराम कहलाते थे। कहा जाता है इन्होंने क्षत्रियों का कई बार विनाश किया था। क्षत्रियों के अहंकारी विध्वंश से संसार को बचाने के लिए इनका जन्म हुआ था।

7। श्रीराम :

विष्णु के दस अवतारों में से एक मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम हैं। महर्षि वाल्मिकि ने राम की कथा संस्कृत महाकाव्य रामायण में लिखी थी। तुलसीदास ने भक्ति काव्य श्री रामचरितमानस की रचना की थी। राम, अयोध्या के राजा दशरथ और उनकी पहली रानी कौशल्या के पुत्र थे।

8। श्री कृष्ण :

यशोदा नंदन श्री कृष्ण भी विष्णु के अवतार थे। भागवत ग्रंथ में भगवान कृष्ण की लीलाओं की कहानियां है। इनके गोपाल, गोविंद, देवकी नंदन, वासुदेव, मोहन, माखन चोर, मुरारी जैसे अनेकों नाम हैं। यह मथुरा में देवकी और वसुदेव के पुत्र के रूप में प्रकट हुए थे। श्री कृष्ण की महाभारत के युद्ध में बहुत बड़ी भूमिका थी। वह इस युद्ध में अर्जुन के सारथी थे। उनकी बहन सुभद्रा अर्जुन की पत्नी थीं। उन्होंने युद्ध से पहले अर्जुन को गीता उपदेश दिया था।

9। भगवान बुद्ध : भगवान विष्णु के दशावतारों में से एक बुद्ध भी हैं। इनको गौतम बुद्ध, महात्मा बुद्ध भी कहा जाता है। वह बौद्ध धर्म के संस्थापक माने जाते हैं। बौद्ध धर्म संसार के चार बड़े धर्मों में से एक है। इनका जन्म क्षत्रिय कुल के शाक्य नरेश शुद्धोधन के पुत्र के रूप में हुआ था। इनका नाम सिद्धार्थ रखा गया था। गौतम बुद्ध अपनी शादी के बाद बच्चे राहुल और पत्नी यशोधरा को छोड़कर संसार को मोह-माया और दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग पर निकल गए थे।

10। कल्कि अवतार : कल्कि अवतार भगवान विष्णु का आखरी अवतार माना जाता है। कल्कि पुराण के अनुसार श्री हरि का कल्कि अवतार कलियुग के अंत में होगा। उसके बाद धरती से सभी पापों और बुरे कर्मों का विनाश होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आडवाणी की हालत स्थिर, डॉक्टरों की निगरानी में

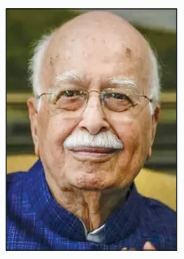

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा है। वे फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया जा रहा है। पिछले दो सप्ताह से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी, जिसके बाद उन्हें इंद्रप्रस्थ अपोलो में भर्ती कराया गया था। इंद्रप्रस्थ अपोलो के हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, लालकृष्ण आडवाणी को मेडिकल मैनेजमेंट और जांच के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। वे सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ.विनीत सूरी की देखरेख में हैं और फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

साइबर ठग ने पुलिसकर्मी को लगाया 5 लाख से अधिक का चूना, जांच में जुटी पुलिस

भरुच । गुजरात समेत देशभर में साइबर ठगी की घटनाएं लगातारा बढ़ती जा रही हैं। साइबर ठग नित नई तरकीबें आजमा कर आम लोगों को चूना लगा रहे हैं। जिससे अब कानून के रखवाले भी सुरक्षित नहीं हैं। जी हां, भरुच में एक पुलिस कांस्टेबल साइबर ठगी का शिकार हुआ है। घटना के बाद पुलिस कांस्टेबल ने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भरुच के ओसारा गांव निवासी भरुच में आर्म्स पुलिस कांस्टेबल के तौर पर हेड क्वार्टर्स में सेवारत योगेश ठाकोर को साइबर ठग ने एक्सिस बैंक के कर्मचारी की पहचान देकर उनसे सभी आईडी पासवर्ड हासिल कर लिए। जिसके बाद योगेश ठाकोर के एकाउंट से रु.548999 निकाल लिए। साइबर ठगी के शिकार योगेश ठाकोर ने भरुच साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत के मुताबिक योगेश ठाकोर के मोबाइल पर किसी अज्ञात नंबर से एक्सिस बैंक के राहुलजी नामक कर्मचारी की पहचान देकर केवाईसी डिटेइल अपडेट करने के बहाने पान कार्ड अपडेट करने की नाम की एप्लिकेशन लिंक भेजी थी। साइबर ठग ने शिकायतकर्ता के पान कार्ड, आधार कार्ड और डेबिट कार्ड की डिटेइल पहले से चल रही लोन नंबर पर अतिरिक्त टॉप अप लोन लेकर उस लोन में जमा हुए रु. 778209 में से रु. 548999 की रकम अलग अलग बैंक एकाउंट में ट्रांसफर कर ली। ठगे जाने का अहसास होने पर योगेश ठाकोर ने तुरंत साइबर पुलिस थाने में अज्ञात ठगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने बीएनएस एक्ट और साइबर एक्ट 2008 के तहत केस दर्ज कर अज्ञात ठगों का पता लगाने की कोशिशें तेज कर दी हैं।

आतंक फैलाने के लिए किया था बस पर हमला, एनआईए ने किया आरोप-पत्र दाखिल

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शिवखोड़ी, रनसू से जम्मू-कश्मीर के कटड़ा जा रही तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकवादी हमले से संबंधित मामले में एक आरोपी के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है। यह हमला 9 जून, 2024 को हुआ था, जब अज्ञात आतंकवादियों ने झंडी मोड़ के पास बस पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस हमले में 8 तीर्थयात्रियों और बस चालक की मौत हो गई थी और 41 तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस हमले का उद्देश्य आम जनता और तीर्थयात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर आने वाले लोगों में आतंक फैलाना था। बस चालक के सिर पर गोली लगने से वह नियंत्रण खो बैठा था। इसके बाद बस खाई में गिर गई थी। एनआईए की जांच में पता चला है कि आरोपी हाकम ने हमले के पीछे की साजिश का हिस्सा होने की बात कबूल की थी, उसके सक्रिय रसद समर्थन के साथ 3 आतंकवादियों ने घटना को अंजाम दिया था। उन्हें भोजन और रहने की व्यवस्था प्रदान करने के अलावा, उसने हमले की जगह की पहचान करने में आतंकवादियों की मदद की थी। बयान में कहा गया है कि मामले में जांच जारी है।

महादेव ऐप की एक और 130 करोड़ की संपत्ति जब्त, अब तक 11 लोग गिरफ्तार

मुंबई। मोबाइल ऐप के जरिए सट्टेबाजी का अवैध कारोबार करने वाली और पांच हजार करोड़ रुपया हवाला के जरिये विदेश भेजने वाली महादेव ऐप कंपनी पर शनिवार को ईडी ने फिर छापा मारा और 130 करोड़ 57 लाख की संपत्ति जब्त कर लिए। इसमें कंपनी द्वारा निवेश की गई प्रतिभूतियां, बांड, डीमैट खाते में राशि आदि शामिल हैं। मालूम हो कि 7 दिसंबर को भी ईडी ने 388 करोड़ 99 लाख की संपत्ति जब्त की थी। ईडी अब तक कंपनी के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल की 2426 करोड़ 18 लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है। इसमें 19 करोड़ 36 लाख की नकदी, 16 करोड़ 68 लाख की कीमती वस्तुएं और 1729 करोड़ 17 लाख रुपये की 111 अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने इस मामले में अब तक कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इस मामले में कुछ बॉलीवुड कलाकार भी शामिल हैं और उनके बयान भी ईडी पहले दर्ज कर चुकी है।

मणिपुर में बिहार के दो मजदूरों की गोली मारकर हत्या

इंफाल। कई महीनों से मणिपुर में हिंसा का दौर चल रहा है। बीते रोज फिर हिंसा हुई और दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग मारे गए। इनमें से दो बिहार के मजदूर शामिल थे। वहीं, पुलिस ने एक उग्रवादी को भी मुठभेड़ में मार गिराया है। शनिवार को काकचिंग जिले में दो श्रमिकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान 18 साल के सुनेलाल कुमार और 17 साल के दशरथ कुमार के रूप में हुई। वे बिहार के गोपालगंज जिले के राजवाही गांव के रहने वाले थे। दोनों युवक काकचिंग में मैतेई बहुल इलाके में रह रहे थे। काकचिंग-वाबागई रोड पर पंचायत कार्यालय के पास शाम लगभग 5:20 बजे अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। मजदूरों पर हमले का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

टीबी के प्रति जागरुकता फैलाने राज्यसभा और लोकसभा के सांसद दोस्ताना क्रिकेट मैच खेलने मैदान पर उतरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के प्रति जागरुकता फैलाने के लिये राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों के बीच एक मैत्र क्रिकेट मैच खेला गया। दोनों सदनों के सांसदों के बीच यह मुकाबला नई दिल्ली के मेजर ध्यान चंद नेशनल स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में राज्यसभा की कप्तानी किरन रिजिजू और लोकसभा की अनुराग ठाकुर ने की। ठाकुर ने इस अवसर पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का एक लक्ष्य रखा है। वहीं दुनियाभर का लक्ष्य 2031 का है। वहीं अगर आप 2015 से लेकर अब तक देखें तो देश में जो टीबी से जुड़ी मौतों के मामले में 38 फीसदी की गिरावट आई है। नये मामलों में भी 18 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी है। दुनियाभर में यह लगभग 8 प्रतिशत है। इसका मतलब भारत बाकि दुनिया से बेहतर स्थिति में हालांकि विश्व की सबसे बड़ी टीबी आबादी भी भारत में ही है। अब इसका इलाज भी है और सरकार मुफ्त में दवाई भी देती है। 1,000 रुपये पोषण के लिए भी देती है और जांच के साथ ही इलाज पर भी नजर रखी जाती है।

उन्होंने कहा ऐसी 75,000 से अधिक संस्थाएं और व्यक्ति हैं जिन्होंने 20 लाख से ज़्यादा टीबी मरीजों को गोद लिया है। उनकी मदद करते हैं। हमारा प्रयास सांसदों के मैच करने के पीछे यह था कि आप ज़्यादा से ज़्यादा जागरूक हों और हम टीबी मुक्त भारत बनायें।

लोकसभा सांसद मनोज तिवारी ने इस अवसर पर कहा, इस मैच के जरिए हम एक संदेश देना चाहते हैं कि हम सांसद टीबी जैसी बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मैदान पर भागेंगे, दौड़ेंगे और इस मैच को खेलेंगे। टीबी बहुत खतरनाक बीमारी है पर थोड़ी सी सजगता से उसको हराया जा सकता है। आज के मैच में कौन जीतेगा और कौन हारेगा, यह बाद की बात है। लेकिन टीबी हारेगा यह तय है।

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा, मुझे खुशी है कि हम लोग एक साथ आए हैं। टीवी को हराना हमारा लक्ष्य है और आज हम लोग यहां पर इकट्ठा हुए हैं। बहुत खुशी की बात है। बहुत अच्छी पहल की गई है। हम लोग साथ हैं और टीबी को हराएंगे। देश में टीबी के खिलाफ जो लड़ाई चल रही है उसको और थोड़ा बल देने के लिए आज हमने यह क्रिकेट मैच रखा है और बहुत ही अच्छी प्रतिक्रिया आई है।

उन्होंने आगे कहा कि कई दलों के राजनेता इसमें जुड़कर अपनी राजनीतिक सीमाओं से आगे बढ़कर आज यहां पर शामिल हुए हैं। हमने 2025 तक टीबी को हराने के लिए एक लक्ष्य रखा है, तो इसके तहत यह कार्यक्रम अभी आगे बढ़ रहा है। आज के मैच को जागरूकता प्रोग्राम की तरह रखा गया है। हमें जागरूकता को जमीनी स्तर पर ले जाने के लिए आगे भी ऐसे कार्यक्रम करने चाहिए।

इस्कॉन मंदिर के लोकार्पण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहेंगे मौजूद, समारोह 9 से 15 जनवरी तक

नवी मुंबई। नए साल पर खारघर में इस्कॉन मंदिर ट्रस्ट द्वारा निर्मित मंदिर का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया है और यह कार्यक्रम 9 से 15 जनवरी तक यानि सात दिनों तक आयोजित किया जाएगा। बताया गया है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भी इस लोकार्पण समारोह में उपस्थित रहेंगे। इस बात की जानकारी आयोजकों ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में दी। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) एक वैश्विक संगठन है। भारत समेत दुनिया भर में 4000 से ज्यादा मंदिर हैं। इस्कॉन के अनुयायियों ने भगवद गीता और हिंदू धर्म, संस्कृति को पूरी दुनिया में फैलाया। वर्ष 2012 में, खारघर में सेंट्रल पार्क के बगल में 1 एकड़ भूमि पर एक इस्कॉन मंदिर की स्थापना की गई थी। मंदिर परिसर में दो छह मंजिली इमारतों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। मंदिर के निर्माण पर 160 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। एक भवन में राधा मदन मोहन, राम, सीता और लक्ष्मण और हनुमान की भव्य और सुंदर मूर्तियाँ होंगी और एक मंजिल पर प्रभुपाद की मूर्ति होगी। यहां भक्तों और मंदिर के सदस्यों के लिए 100 कमरों का एक गेस्ट हाउस भी है। भगवान कृष्ण की सेवा के लिए प्रसाद हॉल, ब्रह्मचारी आश्रम, वानप्रस्थाश्रम, प्रभुपथ के अलावा महिलाओं के लिए अलग आश्रम स्थापित किए गए हैं।

अतुल सुभाष सुसाइड केस: पत्नी निकिता गुरुग्राम से अरेस्ट, मां और भाई प्रयागराज से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अतुल सुभाष सुसाइड केस में अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया, उसकी मां निशा और भाई अनुराग को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पत्नी निकिता को गुरुग्राम से अरेस्ट किया गया है, जबकि मां और भाई प्रयागराज से गिरफ्तार किए गए हैं। अतुल ने कुछ दिनों पहले ही निकिता और उनके परिवार पर उत्पीड़न और जबरन वसूली का आरोप लगाया था, जिसके बाद उन्होंने आत्महत्या कर ली थी। सभी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

इससे बेंगलुरु पुलिस ने निकिता सिंघानिया के जौनपुर में स्थित मकान पर नोटिस लगाया था। नोटिस में 3 दिन में बयान दर्ज करने के लिए कहा गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में निकिता सिंघानिया, निशा सिंघानिया और अनुराग सिंघानिया की तरफ से अंतरिम जमानत के लिए अर्जी लगाई गई है। बता दें कि पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने और न्याय व्यवस्था में खामी का आरोप लगाकर सुसाइड करने वाले एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने डेढ़ घंटे के वीडियो के साथ 23 पेज का सुसाइड नोट भी छोड़ा था। इसमें उन्होंने शादी की शुरुआत से लेकर पत्नी से विवाद के बाद खुद पर लगे एक-एक केस और सुसाइड की ओर ढकेलने वाले हर प्वाइंट को विस्तार से समझाया था। अतुल ने आत्महत्या से पहले खुद पर दहेज उत्पीड़न से लेकर हत्या समेत कई मामले दर्ज करने से लेकर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप अपनी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा, पत्नी के भाई अनुराग और पत्नी के चाचा सुशील पर लगाया है।

जम्मू-कश्मीर में लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ सत्ता शेयर करना विनाश की रेसिपी की तरह

सीएम उमर ने कहा-जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ सत्ता शेयर करना विनाश की रेसिपी की तरह है। उन्होंने कहा कि डबल पावर सेंटर सिस्टम कभी काम नहीं करेगा। उमर ने यह बात एक साक्षात्कार में कही।

सीएम उमर ने कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि किसी भी जगह डबल पावर सेंटर होना आपदा का कारण बन सकता है। अगर कई पावर सेंटर हैं तो कोई भी संगठन ठीक से काम नहीं कर सकता है। यही कारण है कि हमारी खेल टीम में एक कप्तान होता है, दो नहीं। उमर ने केंद्र सरकार से अपना वादा निभाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर के स्पेशल स्टेटस को खत्म कर दिया था। इस दौरान इसे दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था। उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां कि सरकार लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ पावर शेयर करती है। ये कड़वा और विवादास्पद अनुभव है। दिल्ली छोटा राज्य है, जबकि जम्मू और कश्मीर एक बड़ा और रणनीतिक एरिया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों में जब से मैं सीएम बना हूँ मुझे अभी तक एक भी ऐसा उदाहरण नहीं मिला जहां जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश होने से कोई लाभ मिला हो। ऐसा एक भी उदाहरण नहीं है जहां शासन या विकास का काम जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण मिला हो।

सीएम उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव केवल सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के कारण ही हो सके। हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है कि जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा के सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने जितना अस्पष्ट फैसला दिया। अब्दुल्ला ने स्वीकार किया कि जम्मू-कश्मीर के हाइब्रिड राज्य बने रहने की स्थिति में उनके पास एक बैकअप योजना है। उन्होंने कहा कि मेरे पास बैकअप योजना नहीं होगी तो यह मूर्खता होगी।

सीरिया से लौटे भारतीयों ने बताया खौंफनाक मंजर : चौतरफा धमाके और सड़कों पर दौड़ते टैंक

नई दिल्ली ।सीरिया से वापस लौटे भारतीयों ने दिल?ली हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत के दौरान इन लोगों ने गोली और बम की आवाजों के बीच रहने के अपने खौफनाक मंजर को याद किया। चंडीगढ़ के रहने वाले इंजीनियर सुनील दत्त ने आपबीती बयां करते हुए कहा कि वहां सड़कों पर असामाजिक तत्व खुलेआम घूम रहे हैं और लोगों से खुल?लम-खुल?ला सामान लूटा जा रहा है। गोलीबारी और बमबारी की आवाजों ने वहां जीवन को और भी बदतर बना दिया है। विद्रोहियों ने कई अन्य प्रमुख शहरों और कस्बों पर कब्जा करने के बाद राजधानी दमिश्क पर अपना पूरा कंट्रोल बना लिया था। ग्रेटर नोएडा के रहने वाले सचित कपूर ने कहा, 'हम करीब सात महीने तक सीरिया में थे। 7 दिसंबर को स्थिति और खराब हो गई। हमें दमिश्क शहर में शिफ्ट कर दिया गया और फिर हमने चारों ओर आग और बमबारी देखी। यह एक दहशत का माहौल था। हम एक लग्जरी होटल में 11 लोगों की टीम में थे। स्थिति और खराब हो गई। लोग सड़कों पर बेकाबू हो रहे थे, कुछ लोग लूटपाट भी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास हमसे लगातार संपर्क में था और उनके कर्मियों ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमें शांत रहने और दरवाजे न खोलने की सलाह दी। भारत ने सीरिया से अपने सभी नागरिकों को निकाल लिया है। ये वो लोग हैं जो बशर-अल-असद की सरकार को उखड़ने के बाद भारत लौटना चाहते थे। पिछले एक दशक से भी अधिक वक्त से विद्रोही तानाशाह असद की सरकार को गिराने के लिए हाथों में हथियार उठाए हुए थे।

46 साल पुराने मंदिर पर बोले अखिलेश- खोदने वाले देश का सौहार्द भी खोद देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि संभल मामले में हमें ये देखना होगा कि किन परिस्थितियों में वो मंदिर कहां निकल रहा है। वो पहले किसका घर था। इसलिए मैंने कहा कि हमें खोदना नहीं है। क्योंकि खोदने वाले लोग देश का सौहार्द्र खोद देंगे। हमें नया भारत बनाना है। इसलिए हमें अभी खुदाई नहीं करनी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि हमें खुदाई नहीं करनी है, बल्कि नए रास्ते बनाने होंगे। क्योंकि ये लोग पीडीए की ताकत से घबराए हुए हैं। जितना पीडीए एकजुट होगी, बीजेपी उतनी अधिक कमजोर होगी और इसके बाद वो बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक पॉलिटिक्स करेगी। उन्होंने संभल में मंदिर मिलने के मामले पर ये स्पष्ट किया कि हमें वहां ये देखना होगा कि वहां पहले कौन रहते थे। आगे अखिलेश ने आगे बातची के दौरान फिर से संभल का पुराना मुद्दा उठाया। जब संभल जिले

में 24 नवंबर को स्थानीय कोर्ट के आदेश पर शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए थे। घायलों में पुलिसवाले भी शामिल थे। इस मामले में समाजवादी पार्टी के संभल से सांसद जिया उर रहमान बर्क और संभल के विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल भी मामला दर्ज हुआ था।

इस पर अखिलेश ने कहा कि नवंबर में संभल में क्या हुआ था। क्या कोई सर्वे के बहाने कहीं इतना ज्यादा माहौल खराब किया जा सकता है। संभल में जो हुआ वो प्रशासन की नाकामी थी। जब कभी भी संभल मामले की जांच होगी तो अधिकारी दोषी पाए जाएंगे। वहां जो जानें गई हैं वो अधिकारियों की वजह से गई है, सरकार की वजह से गई है। हमलोगों को सरकार ने संभल नहीं जाने दिया। हमलोग वहां जाकर सिर्फ लोगों का दुख-दर्द बांटेंगे। एक टीवी कार्यक्रम में जब उनसे पूछा गया कि यूपी में कई ऐसे जगह हैं, जहां खुदाई वाला मामला आगे बढ़ सकता है। ऐसे में आने वाले समय में ये मुद्दे अगर तेज रफ्तार पकड़ते हैं तो आप क्या करेंगे। इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी गाड़ी ऑटोमोटिक गियर पर समाजिक न्याय के रास्ते पर चल देगी। हमारे समाजवादी लोग और तेजी से एक्सलेटर दबाएंगे। ये एक्सलेटर होगा पीडीए परिवार।

संविधान को लेकर दिए पीएम मोदी के भाषण को विपक्ष में बताया बोरिंग

-प्रियंका ने कहा-नड्डा जी हाथ मल रहे थे तो शाह जी सिर छू रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में संविधान को लेकर अपने भाषण में कांग्रेस पर निशाना साधा था। वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी के भाषण को बोरिंग बताया। प्रियंका ने कहा कि पीएम ने कुछ भी नया या रचनात्मक नहीं कहा है। दशकों बाद मुझे अहसास हुआ कि मैं स्कूल के मैथ्स के डबल पीरियड में बैठी हूं।

प्रियंका ने कहा कि बीजेपी नेता जेपी नड्डा हाथ मल रहे थे, पीएम ने उनको देखा तो वे ऐसी एक्टिंग करने लगे कि वे सुन रहे हैं, अमित शाह अपना सिर छू रहे थे। पीछे बैठे पीयूष गोयल ऐसे लग रहे थे कि वे सोने वाले हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुझे लगा कि पीएम कुछ नया बोलेंगे, लेकिन उन्होंने खोखले वादों के बारे में बात की। अगर उनमें भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस है, तो उन्हें कम से कम अडानी पर बहस करनी चाहिए। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि पीएम मोदी का ये बहुत लंबा भाषण था। हमें 11 जुमलों की शपथ सुनने को मिली। वंशवाद की राजनीति की आलोचना करने वालों की पार्टी में वंशवाद की भरमार है। सच्चाई यह है कि एससी/एसटी, ओबीसी और दलितों का आरक्षण खत्म कर दिया गया है। जल्द ही एक दिन आएगा जब जाति जनगणना होगी और लोगों को उनकी आबादी के हिसाब से उनके अधिकार और सम्मान मिलने लगेंगे। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पीएम मोदी के भाषण में कोई दम नहीं था। ये कांग्रेस के खिलाफ सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप था। कल और आज हमने उजागर किया कि उनकी एनडीए सरकार अब अडानी के लिए चल रही है। वे संविधान की बात करते हैं लेकिन इसका इस्तेमाल एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, एकाधिकार बना रहे हैं। जब हम संसद में संविधान पर चर्चा करते हैं, तो वे इसका कोई सम्मान नहीं करते। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने कहा कि भाषण के दौरान पीएम मोदी सिर्फ गांधी परिवार को लेकर अड़े रहे। वे जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की आलोचना करते रहते हैं। उनका ध्यान केवल गांधी परिवार पर है, जिसने इस देश को स्वतंत्रता और संविधान दिलाया। हम इससे परेशान हैं। वहीं कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने कहा कि पीएम मोदी का भाषण सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप का था।

ठंड ने यूपी में तोड़ा बीस साल का रिकॉर्ड, किसान की मौत, तापमान 3 डिग्री पहुंचा

बर्फबारी ने बढ़ी ठंड, जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में पारा माइनस में

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के राज्यों में तेज ठंड का दौर जारी है। यूपी में 20 साल बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह में कोल्डवेव चल रही है। यहां तीसरे या चौथे हफ्ते तक शीतलहर चलती है। तेज ठंड के कारण शनिवार को चित्रकूट के एक किसान की मौत हो गई। यूपी में सबसे ज्यादा ठंड अयोध्या में पड़ रही है। यहां तापमान 3 डिग्री तक पहुंच गया है।

वहीं मध्य प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल में 1.5 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में भी रात का पारा 4 डिग्री से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा कि दिसंबर में 10 साल में दूसरी बार इतना कम पारा दर्ज किया गया है। राजस्थान में 11 शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुल 15 शहरों में शनिवार को तापमान 4 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया है।

मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों में 2-3 दिन तक ठंड का दौर जारी रहेगा। रविवार को बिहार-हरियाणा समेत 14 राज्यों में कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब और मध्यप्रदेश में सीवियर कोल्डवेव की चेतावनी दी गई है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में तापमान माइनस में चल रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि बर्फबारी के कारण यहां न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। जोजिला में तापमान माइनस 22 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, श्रीनगर में माइनस 3.4 डिग्री, पहलगाम में माइनस 4.0, गुलमर्ग में माइनस 3.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी में 7 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी। इन राज्यों में बिजली गिरने का भी अनुमान लगाया गया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान और मध्य प्रदेश में घना कोहरा छाया रहेगा। पश्चिम बंगाल के तटों के आसपास 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

वहीं 17 दिसंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी में 12 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 7 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो सकती है। हरियाणा और यूपी में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में विजिबिलिटी भी घट सकती है। राजस्थान में कोल्डवेव का अलर्ट है। यहां कई शहरों में तापमान पांच डिग्री के नीचे रहने की उम्मीद है।

18 दिसंबर की बात करें तो तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के अलावा केरल में बिजली गिरने के साथ बारिश के आसार हैं। राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर चलेगी। तापमान में बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भी ठंड बढ़ सकती है। यहां तापमान में गिरावट आ सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने दिया रहस्यमयी ड्रोन दिखाई देने पर उसे मार गिराने का निर्देश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के विभिन्न हिस्सों में दिखाई देने वाले रहस्यमयी ड्रोन को ''मार गिराने'' का निर्देश दिया है। रहस्यमयी ड्रोन सबसे पहले न्यू जर्सी में देखे गए थे लेकिन उसके बाद से अब इस प्रकार के ड्रोन अन्य स्थानों पर भी दिखाई देने लगे हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार और व्हाइट हाउस ने अब तक यही कहा है कि इनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है और न ही इसमें किसी विदेशी हाथ होने का कोई सबूत है लेकिन फिर भी रहस्यमयी ड्रोन का दिखना जांच का विषय है। ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''देश भर में रहस्यमयी ड्रोन दिखाई दिए हैं। क्या यह वास्तव में हमारी सरकार की जानकारी के बिना हो रहा है? मुझे ऐसा नहीं लगता, या तो जनता को इसके बारे में अभी जानकारी दो अथवा उन्हें मार गिराओ।'' ट्रंप ने इस पोस्ट के अंत में अपने हस्ताक्षर भी किए। इससे पहले बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति कार्यालय एवं राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस ने कहा था कि अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि ड्रोन देखे जाने की कथित घटनाएं राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं या उनका किया अन्य देश से संबंध है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने संवाददाताओं को बताया कि आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय और एफबीआई इन घटनाओं की जांच कर रहे हैं, तथा यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये ड्रोन कहां से आ रहे हैं। किर्बी ने कहा, '' अमेरिका का तट रक्षक बल न्यूजर्सी को सहयोग दे रहा।महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में ड्रोन दिखाई देने की कोई सूचना नहीं है....।

एंटनी ब्लिंकन ने बगदाद में इराकी प्रधानमंत्री से की मुलाकात, कहा- सीरिया को आतंकवादियों का गढ़ नहीं बनना चाहिए

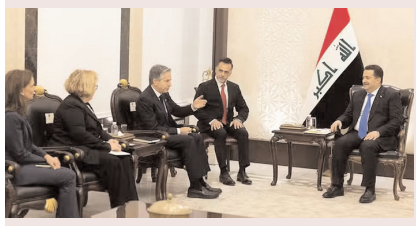

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को बगदाद में इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी से मुलाकात की। इस दौरान पड़ोसी देश सीरिया के भविष्य पर बातचीत की। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के तख्तापलट के बाद ब्लिंकन की बगदाद यात्रा उनके मध्य पूर्व दौरे का अंतिम पड़ाव था। अमेरिकी विदेश सचिव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, इराकी पीएम सुदानी और मैं सीरिया के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए मिले। मैंने इराक की सुरक्षा, स्थिरता और संप्रभुता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बताया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ब्लिंकन और अल सुदानी ने सीरिया में तानाशाही से लोकतंत्र लाने की आवश्यकता पर चर्चा की, ताकि सभी अल्पसंख्यकों को शामिल किया जा सके और उनकी सुरक्षा की जा सके। सीरिया आंतकवादियों का गढ़ नहीं होना चाहिए यह कहते हुए उन्होंने कहा कि हमने इस क्षेत्र और उससे परे कई देशों की प्रतिबद्धता पर चर्चा की कि सीरिया असद तानाशाही से लोकतंत्र की ओर बढ़ रहा है। यह निश्चित रूप से सीरिया में सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करता है, जिससे एक समावेशी, गैर-सांप्रदायिक सरकार बनती है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह इराक के लिए अपनी संप्रभुता के साथ-साथ अपनी स्थिरता, सुरक्षा और संभुप्रता को मजबूत करने का समय है। कई वर्ष पहले इराक और सीरिया में आईएसआईएस (जिसे दाएश के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा छेड़ी हुई लड़ाई को सफलतापूर्वक खत्म करने के लिए अमेरिका और इराक द्वारा उठाए संयुक्त कदम पर भी बात की। एंटनी ब्लिंकन ने कहा, अमेरिका और इराक ने उस क्षेत्र को छीनने में सफलता हासिल की है, जिसे दाएश ने वर्षों पहले बनाया था। इराक से ज्यादा कोई भी इसके महत्व को नहीं जानता क्योंकि सीरिया में आईएसआईएस या दाएश की मौजूदगी जारी है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ हैं कि दाएश फिर से उभर न सके।

दक्षिण अफ्रीकी बिजलीघर में विस्फोट में 9 कर्मचारी घायल

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीकी बिजली कंपनी एस्कॉम के माटला पावर स्टेशन में हुए विस्फोट में नौ कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। एस्कॉम ने शुक्रवार को कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि यूनिट 6 के ट्रांसफॉर्मर में उच्च दबाव वाली भाप स्टील पाइप टूटने के कारण यह विस्फोट हुआ। इसके परिणामस्वरूप जोरदार धमाका हुआ और यूनिट 6 क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बंद हो गई। एस्कॉम ने कहा कि इस घटना के कारण काफी धूल और बिजली की कमी हुई, जिससे स्थिति का पूरा आकलन शुक्रवार सुबह तक नहीं किया जा सका। तकनीकी टीमें मौके पर हैं और वे नुकसान, काम के दायरे और मरम्मत के लिए आवश्यक समय का आकलन कर रही हैं। इस घटना में नौ कर्मचारी जलने से घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। दो की स्थिति अर्ध-गंभीर है, लेकिन सभी स्थिर हैं। बाकी छह कर्मचारियों को कम गंभीर चोटें आईं। हालांकि, इस घटना का लोड शेडिंग पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

स्विट्जरलैंड ने तरजीही देश का दर्जा वापस लिया, 1 जनवरी से इन्हें होगा नुकसान

बर्न, एजेंसी। स्विट्जरलैंड एक जनवरी, 2025 से भारतीय कंपनियों के उस देश में अर्जित डिविडेंड पर 10 फीसदी टैक?स लगाएगा। इससे स्विट्जरलैंड में काम करने वाली भारतीय कंपनियों पर अधिक झ्रड्ड× लगने के साथ भारत में स्विस निवेश पर असर पड़ने की आशंका है।

स्विट्जरलैंड ने दोहरे कराधान से बचाव के लिए भारत के साथ हुए समझौते में सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र के प्रावधान को निलंबित कर दिया है। इस फैसले के बाद स्विट्जरलैंड में काम करने वाली भारतीय कंपनियों पर अधिक झ्रड्ड× लगने के साथ भारत में स्विस निवेश पर असर पड़ने की आशंका है। स्विट्जरलैंड के वित्त विभाग ने 11 दिसंबर को अपने एक बयान में एमएफएन दर्जा वापस लेने की जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम भारत के सुप्रीम कोर्ट के पिछले साल आए एक फैसले के संदर्भ में उठाया गया है। स्विट्जरलैंड ने अपने इस निर्णय के लिए 2023 में नेस्ले से संबंधित एक मामले में आए उच्चतम न्यायालय के एक फैसले का हवाला दिया। डिब्बाबंद खाद्य उत्पादों के कारोबार में लगी नेस्ले का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के वेवे शहर में है।

क्या कह रहे एक्सपर्ट्स : स्विस सरकार के इस फैसले पर कर परामर्शदाता नांगिया एंडरसन में कर साझेदार संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि अब

स्विट्जरलैंड में काम करने वाली भारतीय इकाइयों की टैक्स देनदारियां बढ़ सकती हैं। एकेएम ग्लोबल फर्म में कर साझेदार अमित माहेश्वरी ने कहा कि इससे भारत में स्विस निवेश प्रभावित हो सकता है, क्योंकि एक जनवरी, 2025 या उसके बाद अर्जित आय पर मूल दोहरे कराधान संधि में उल्लिखित दरों पर कर लगाया जा सकता है।

क्या है तरजीही राष्ट्र दर्जा : यह दर्जा एक प्रोटोकॉल है जो भारत और स्विट्ज़रलैंड के बीच दोहरा कराधान बचाव समझौते का हिस्सा है। स्विट्ज़रलैंड ने कहा कि इस समझौते के तरजीही राष्ट्र के प्रावधान को निलंबित कर दिया गया है। यह दर्जा वापस लेने का मतलब है कि स्विट्जरलैंड एक जनवरी, 2025 से भारतीय कंपनियों के उस देश में अर्जित डिविडेंड पर 10 फीसदी टैक?स लगाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था यह आदेश : यह फैसला पिछले साल भारत के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि डीटीएए को तब तक लागू नहीं किया जा सकता जब तक कि इसे आयकर अधिनियम के तहत अधिसूचित न किया जाए। इस फैसले का मतलब था कि नेस्ले जैसी स्विस कंपनियों को डिविडेंड पर अधिक टैक्स देना होगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को पलट दिया था। उस आदेश ने यह सुनिश्चित किया था कि विदेशी संस्थाओं में या उनके लिए काम करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर दोहरा कराधान न हो।

भारत में निवेश पर असर पड़ने की आशंका : टैक्स विशेषज्ञों का कहना है कि स्विट्जरलैंड के इस कदम से भारत में निवेश प्रभावित हो सकता है। कारण है कि डिविडेंडड पर ज्यादा विदहोल्डिंग टैक्स लगेगा। यह इस साल मार्च में हस्ताक्षरित एक व्यापार समझौते के तहत चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ की ओर से 15 साल की अवधि में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता के लिए जोखिम पैदा करता है। ईएफटीए आइसलैंड, लिकटेंस्टाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड का एक अंतर सरकारी समूह है।

फिर से बातचीत की जरूरत होगी : विदेश मंत्रालय : भारत ने शुक्रवार को कहा कि यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों के साथ व्यापार समझौते के मद्देनजर स्विट्जरलैंड के साथ उसकी दोहरी कराधान संधि पर फिर से बातचीत की जरूरत पड़ सकती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'मेरी समझ से स्विट्जरलैंड के साथ ईएफटीए के कारण हमारी दोहरी कराधान संधि पर फिर से बातचीत होने जा रही है। यह इसका एक पहलू है।'

रिपब्लिकन ने अमेरिकी सदन में हासिल किया बहुमत, कांग्रेस पर रहेगा पूरा कंट्रोल

वाशिंगटन, एजेंसी। नवर्वाचित राष्ट्रपति ने देश के अब तक के सबसे बड़े निर्वासन अभियान को अंजाम देने, कर छूट बढ़ाने, अपने राजनीतिक दुश्मनों को दंडित करने, संघीय सरकार के सबसे शक्तिशाली उपकरणों पर नियंत्रण हासिल करने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नया आकार देने का वादा किया है। जीओपी चुनाव की जीत यह सुनिश्चित करती है कि कांग्रेस उस एजेंडे में शामिल होगी, और डेमोक्रेट इसे रोकने के लिए लगभग शक्तिहीन होंगे।

रिपब्लिकन ने अमेरिकी सदन को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त सीटें जीत ली हैं, जिससे पार्टी सत्ता में आ गई है और निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अमेरिकी सरकार पर अपनी पकड़ सुरक्षित कर ली है। एरिजोना में हाउस रिपब्लिकन की जीत के साथ-साथ कैलिफोर्निया में जीओपी को 218 हाउस की जीत दिलाई जो बहुमत बनाती है। रिपब्लिकन ने पहले डेमोक्रेट से सीनेट पर नियंत्रण हासिल किया था। कठिन संघर्ष के बावजूद कम बहुमत के साथ, रिपब्लिकन नेता संघीय सरकार को उखाड़ फेंकने और देश के लिए ट्रम्प के दृष्टिकोण को तेजी से लागू करने के लिए जनादेश की कल्पना कर रहे हैं। नवर्वाचित राष्ट्रपति ने देश के अब तक के सबसे बड़े निर्वासन अभियान को अंजाम देने, कर छूट बढ़ाने, अपने राजनीतिक दुश्मनों को दंडित करने, संघीय सरकार के सबसे शक्तिशाली उपकरणों पर नियंत्रण हासिल करने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नया आकार देने का वादा किया है। जीओपी चुनाव की जीत यह सुनिश्चित करती है कि कांग्रेस उस एजेंडे में शामिल होगी, और डेमोक्रेट इसे रोकने के लिए लगभग शक्तिहीन होंगे।

जब ट्रम्प 2016 में राष्ट्रपति चुने गए, तो रिपब्लिकन ने भी कांग्रेस में जीत हासिल की, लेकिन फिर भी उन्हें अपने नीतिगत विचारों के प्रतिरोधी रिपब्लिकन नेताओं के साथ-साथ उदार बहुमत वाले सुप्रीम कोर्ट का सामना करना पड़ा। इस बार नही। जब वह व्हाइट हाउस लौटेंगे, तो ट्रम्प एक रिपब्लिकन पार्टी के साथ काम करेंगे जो उनके मेक अमेरिका ग्रेट अगेन आंदोलन और उनके द्वारा नियुक्त तीन न्यायाधीशों सहित रूढ़िवादी न्यायाधीशों के प्रभुत्व वाले सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूरी तरह से बदल दी गई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर बोले भारतीय अमेरिकी सांसद- समय आ गया है कि अमेरिका कार्रवाई करे

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों के मुद्दे पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिकी संसद इस मामले पर कार्रवाई करे। शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही श्री थानेदार लगातार हिंदुओं पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठा रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन बांग्लादेश की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं।

भारतीय अमेरिकी सांसद ने दी प्रतिक्रिया : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा, भीड़ ने हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया। अब समय आ गया कि इसपर अमेरिकी संसद और अमेरिकी सरकार कार्रवाई करें। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए हरसंभव उपकरण का अपयोग करने की आवश्यकता है। बांग्लादेश पर आरोप लगाते हुए थानेदार ने कहा, 1971 में पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी है। हाल ही में हमने देखा कि एक हिंदू पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके वकील की हत्या कर दी गई। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति कठिन हो गई।

ओपन एआई पर आरोप लगाने वाले सुचिर बालाजी की मौत : अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में शव मिला

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्चर सुचिर बालाजी 26 नवंबर को अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। पुलिस को शक है कि 26 साल के इंडो-अमेरिकन सुचिर ने आत्महत्या की थी। शिकागो ट्रिब्यून के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि उन्हें जांच में किसी भी तरह की गड़बड़ी के सबूत नहीं मिले हैं। 26 नवंबर का यह मामला 14 दिसंबर को चर्चा में आया। नवंबर 2020 से अगस्त 2024 तक ओपन एआई के लिए काम करने वाले सुचिर तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने कंपनी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में सुचिर ने कहा था कि ओपन एआई का बिजनेस मॉडल स्टेबल नहीं है और इंटरनेट इकोसिस्टम के लिए बेहद खराब है। सुचिर ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने अपना प्रोग्राम डेवलप करने के लिए ऑनलाइन डेटा की नकल की अमेरिका के कॉपीराइट नियमों के उल्लंघन किया। उन्होंने लोगों से जल्द से जल्द कंपनी छोड़ देने के लिए भी कहा था। इलॉन मस्क ने इस खबर पर रिएक्ट किया है।

सुचिर बालाजी कौन हैं? सुचिर बालाजी ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की और ओपन एआई में स्केल एआई में इंटर्नशिप की। वह 2020 में ओपन एआई के लिए काम करने

वाले बर्कले ग्रेजुएट्स में शामिल थे। न्यूयॉर्क टाइम्स मुताबिक, बालाजी ने 2022 की शुरुआत में जीपीटी-4 नामक एक नई परियोजना के लिए डेटा इकट्ठा करना शुरू किया। 2022 के आखिर में उन्होंने इस बात को महसूस किया कि कंपनी अपना प्रोग्राम डेवलप करने के लिए कॉपीराइट कानून का उल्लंघन कर रही थी। मस्क ने ओपन एआई पर मुकदमा दायर किया बता दें कि मस्क ने अल्टमैन के साथ मिलकर 2015 में ओपन एआई बनाई थी। यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्च कंपनी है जो चेट जीपीटी जैसी सेवाएं बनाती है। मस्क ने 2018 में कंपनी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था।

बाद में मस्क ने ओपन एआई और सैम अल्टमैन समेत कंपनी के कई अन्य लोगों पर मुकदमा भी दायर किया। मस्क ने ओपन एआई-अल्टमैन समेत सभी लोगों पर 2015 में चेटजीपीटी-मेकर को स्थापित करने में मदद करने के दौरान किए गए कॉन्ट्रैक्चुअल एग्रीमेंट्स का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था।

मुनाफा कमाने पर फोकस से टूटा समझौता मस्क की तरफ से दायर लॉ-सूट में कहा गया था कि अल्टमैन ने ओपन एआई के को-फाउंर ग्रेग ब्रॉकमैन के साथ मिलकर एक ओपन सोर्स, नॉन-प्रॉफिट कंपनी बनाने के लिए मस्क से संपर्क किया था। यह कंपनी इंसानों के फायदे के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी डेवलप करती। मस्क के वकीलों ने कहा कि ओपन एआई के मुनाफा कमाने पर फोकस करने से यह समझौता टूट गया।

जर्मनी में गहराया राजनीतिक संकट, विश्वास मत के बाद आएगी मध्यावधि चुनाव की आहट?

बर्लिन, एजेंसी। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था राजनीतिक उथल-पुथल में घिर गई है। महीनों की अंदरूनी कलह के बाद स्कोल्ज़ का तीन-पक्षीय गठबंधन टूट गया। जर्मन संसद में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ विश्वास मत निश्चित रूप से हारेंगे। आखिरी बार किसी जर्मन चांसलर ने लगभग 20 साल पहले विश्वास मत मांगा था। लेकिन 16 दिसंबर को जर्मन नेता ओलाफ स्कोल्ज़ बुंडेस्टाग के सदस्यों से वोट करने के लिए कहेंगे यदि वे अभी भी उनका समर्थन करते हैं। स्कोल्ज़ के वोट हारने की व्यापक संभावना है, जिससे जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर तीन सप्ताह के भीतर संसद को भंग कर देंगे, जिससे 23 फरवरी की शुरुआत में आकस्मिक चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार चुने जाने के कुछ ही घंटों बाद जर्मन सरकार गिर गई, स्कोल्ज़ ने जर्मन वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को भावनाओं

के एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन में निकाल दिया, जो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदर्शित हुआ था। तब से, यह सामने आया है कि लिंडनर की पार्टी ने गठबंधन तोड़ने की पूर्व-योजना बनाई थी, और कुछ लोकप्रियता हासिल करने के लिए समय से पहले चुनाव कराने के अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, चिंताएं हैं कि उदारवादी (एफडीपी) ऐसा नहीं करेंगे। संसद में प्रवेश के लिए आवश्यक 5त्न सीमा से अधिक तक पहुँचें।

नए चुनावों में वास्तव में क्या दांव पर लगा है: जर्मनी की अर्थव्यवस्था लगातार स्थिर बनी हुई है क्योंकि वोक्सवैगन, थिसेनक्रुप और बॉश जैसी प्रमुख कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों सहित हजारों नौकरियों और बाजारों को खत्म करने की योजना बना रही हैं, एशियाई बाजारों की ओर बढ़ रही हैं, एक जोखिम है कि राजनीतिक अस्थिरता अर्थव्यवस्था को हतोत्साहित कर सकती है। ठीक हो रहा है। फंके का कहना है कि राजनीतिक दल दबाव महसूस कर रहे हैं। ऑटोमोटिव और स्टील उद्योगों के साथ-साथ आपूर्तिकर्ताओं के बीच गंभीर संकट को देखते हुए, अन्य देशों की तुलना में असाधारण रूप से कम विकास की संभावनाओं के साथ, ढाई महीने में चुनाव से पहले कुछ उपायों को लागू करने का महत्वपूर्ण दबाव है।

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री नियुक्त हुए फ्रांस्वा बायरू, मैक्रों के हैं करीबी

पेरिस, एजेंसी। 2025 के विधेयक पर संसदीय विरोध के कारण पूर्व प्रधान मंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार गिर गई। 73 वर्षीय बायरू आने वाले दिनों में अपने मंत्रियों की सूची सामने रखेंगे, लेकिन तीन युद्धरत गुटों वाली त्रिशंकु संसद के माध्यम से कानून बनाने में उन्हें बार्नियर के समान ही अस्तित्वगत कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रेंकोइस बायरू को 2024 का अपना तीसरा प्रधान मंत्री नामित किया। अनुभवी मध्यमार्गी को पिछले छह महीनों में देश को दूसरे बड़े राजनीतिक संकट से बाहर निकालने का काम सौंपा। मैक्रों के करीबी सहयोगी बायरू के लिए प्राथमिकता 2024 के बजट को लागू करने के लिए एक विशेष कानून पारित करना होगा, साथ ही अगले साल की शुरुआत में 2025 के कानून पर और भी गंभीर लड़ाई होने वाली है। 2025 के विधेयक पर संसदीय विरोध के कारण पूर्व प्रधान मंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार गिर गई। 73 वर्षीय बायरू आने वाले दिनों में अपने मंत्रियों की सूची सामने रखेंगे, लेकिन तीन युद्धरत गुटों वाली त्रिशंकु संसद के माध्यम से कानून बनाने में उन्हें बार्नियर के समान ही अस्तित्वगत कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अत्यधिक अलोकप्रिय मैक्रों से उनकी निकटता भी

एक कमजोरी साबित होगी। फ्रांस की बढ़ती राजनीतिक अस्वस्थता ने इस बात पर संदेह पैदा कर दिया है कि क्या मैक्रॉन अपना दूसरा राष्ट्रपति कार्यकाल पूरा करेंगे, जो 2027 में समाप्त होगा। बार्नियर के निष्कासन के बाद मैक्रॉन ने कई दिन रूढ़िवादियों से लेकर कम्युनिस्टों तक के नेताओं से बात करके बायरू के लिए समर्थन हासिल करने में बिताए। मरीन ले पेन की धुर-दक्षिणपंथी राष्ट्रीय रैली और कट्टर-वामपंथी फ्रांस अनबोएड को बाहर रखा गया। गठबंधन में सोशलिस्ट पार्टी की किसी भी भागीदारी की कीमत मैक्रॉन को अगले साल के बजट में चुकानी पड़ सकती है। एक सरकारी सलाहकार ने शुक्रवार को कहा, अब हम देखेंगे कि सोशलिस्ट पार्टी के समर्थन की कीमत कितने अरब होगी।

यात्रा के दौरान पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लगी चोट, अस्पताल में चल रहा है इलाज

लक्जमबर्ग , एजेंसी। पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लक्जमबर्ग की आधिकारिक यात्रा के दौरान चोट लग गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पेलोसी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। वह बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वी वर्षगांठ मनाने के लिए कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा कर रही थीं। बता दें कि बैटल ऑफ बुल्ज द्वितीय विश्व युद्ध का एपिसोड है। यह जर्मन आक्रमण के परिणामस्वरूप शुरू हुआ और गठबंधन बलों की जीत के साथ समाप्त हुआ।

लक्जमबर्ग की यात्रा के दौरान लगी चोट : नैंसी पेलोसी के प्रवक्ता इयान क्रैगर ने कहा, बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वीं वर्षगांठ मनाने के लिए लक्जमबर्ग में एक कांग्रेस प्रतिनिमंडल के साथ यात्रा के दौरान स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी को चोट लग गई। उन्हें फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज जारी है। उन्होंने चोट के कारण बाकी कार्यक्रमों में शामिल न होने पर दुख जताया। प्रवक्ता ने आगे कहा, स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी डॉक्टरों से इलाज करवा रही हैं। उन्होंने काम करना जारी रखा है। उन्हें इस बात का दुख है कि वह सैनिकों के साहस का सम्मान करने के लिए शेष सीओडीईएल कार्यक्रमों में भाग लेने में असमर्थ है। नैंसी पेलोसी ने अपना आभार व्यक्त करते हुए अमेरिकी दिग्गजों का धन्यवाद किया।

पेलोसी ने लक्जमबर्ग के लोगों का जताया आभार : प्रवक्ता ने अपने बयान में आगे कहा, स्पीकर एमेरिटा पेलोसी ने हमारे दिग्गजों का धन्यवाद किया। उन्होंने द्वितीय

विश्वयुद्ध में यूरोप में शांति लाने में दिग्गजों की भूमिका के लिए लक्जमबर्ग और बास्टोग्ने के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। नैंसी पेलोसी को प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा करने के लिए व्यक्तिगत और आधिकारिक रूप से सम्मानित किया गया था। उन्हें सम्मानित करने वालों में से कई लोगों के परिवार के सदस्य द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल हुए थे। इस युद्ध में उनके (पेलोसी) चाचा जॉनी भी शामिल थे। फिलहाल वह अमेरिका वापस लौटने की प्रतिक्षा कर रही है। बता दें कि नैंसी पेलोसी ने स्पीकर ऑफ द हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के अध्यक्ष के रूप में काम किया। वह साल 2007 में सदन की अध्यक्ष के तौर पर सेवा करने वाली पहली महिला भी थीं।

सीरियाई जेल से रिहा हुए अमेरिकी नागरिक को बाहर निकाला गया : अमेरिकी अधिकारी : दश्मिक, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने सीरिया की जेल से रिहा किए गए एक अमेरिकी नागरिक को बाहर निकाल लिया। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सात महीने पहले लापता हुए अमेरिकी नागरिक ट्रैविस टिमरमैन को पूर्व राष्ट्रपति बशर असद की कुख्यात जेल में रखा गया था और वह उन हजारों लोगों में से एक था, जिन्हें विद्रोहियों द्वारा इस सप्ताह रिहा किया गया था।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि ट्रैविस टिमरमैन को अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर के जरिये सीरिया से बाहर निकाला गया। टिमरमैन (29) ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वह ईसाई तीर्थयात्रा पर सीरिया गया था और हिरासत में रखे जाने के दौरान उसके साथ बुरा व्यवहार नहीं किया गया। अमेरिकी नागरिक ने बताया कि विद्रोहियों ने जेल में आकर हथौड़े से (उसकी कोठरी का) दरवाजा तोड़कर उसे मुक्त कराया। टिमरमैन ने बताया कि उसे सोमवार की सुबह एक सीरियाई युवक और 70 महिला कैदियों के साथ रिहा किया गया, जिनमें से कुछ के साथ उनके बच्चे भी थे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत शहर के लिंबायत इलाके में कुख्यात रंगीला टाउनशिप से एक बार फिर बड़ा जुआ अड्डा पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने स्थानीय पुलिस को अंधेरे में रखते हुए रंगीला टाउनशिप में चल रहे इस जुआ अड्डे का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय पुलिस में भी हलचल मच गई। लिंबायत इलाके की रंगीला टाउनशिप की जर्जर बिल्डिंग, जो अवैध गतिविधियों और जुए के अड्डों के लिए कुख्यात है, पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने छापा मारा। इस छापेमारी के दौरान 40 से अधिक जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा गया।

सूचना के आधार पर पता चला है कि लिंबायत इलाके की रंगीला टाउनशिप की चौथी मंजिल की छत पर कुख्यात सन्नी द्वारा जुए का अड्डा चलाया जा रहा था। जर्जर इमारत की छत पर बांस और प्लास्टिक की आड़ लेकर यह अड्डा संचालित हो रहा था।

छापेमारी के दौरान जुआ अड्डे का मुख्य संचालक सन्नी मौके से फरार हो गया। सन्नी पहले से ही कई आपराधिक मामलों में लिप्त है, और उसके खिलाफ कई केस दर्ज हैं। इस घटना ने लिंबायत पुलिस की पेट्रोलिंग और उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि अगर पुलिस सतर्क होती, तो इतने बड़े स्तर पर अवैध गतिविधियां नहीं चल पातीं।

स्थानीय लोग इस तरह की अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि इस तरह के अड्डों पर नजर रखने और मुख्य आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। पुलिस द्वारा छत पर जांच के दौरान बीयर के खाली टिन, कंडोम और इंजेक्शन भी बरामद हुए। इससे यह साफ हुआ कि जुआरियों के लिए जुए के साथ-साथ नशे की भी पूरी व्यवस्था की गई थी।

स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मौके से पुलिस ने लगभग दो लाख रुपये का मुद्दामाल भी जब्त किया है। जांच के दौरान यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। यह छापेमारी रंगीला टाउनशिप में चल रही अवैध गतिविधियों का एक और बड़ा खुलासा है। स्थानीय लोग लंबे समय से ऐसी गतिविधियों को लेकर चिंतित थे। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

छत पर तिरपाल लगाकर चल रहा था जुआ

रंगीला टाउनशिप की छत पर तिरपाल लगाकर यह जुआ चलाया जा रहा था। मौके से पुलिस को कई आपत्तिजनक सामान मिले, जिनमें इंजेक्शन, कंडोम और बीयर के खाली टिन शामिल हैं।

मौके से 40 जुआरी गिरफ्तार

पुलिस ने मौके से 40 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, एक जुआरी ने पुलिस को देखकर छत से छलांग लगा दी, जिससे वह घायल हो गया। घायल जुआरी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

स्थानीय पुलिस पर सवाल

इस छापेमारी के दौरान स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने स्थानीय पुलिस को जानकारी नहीं दी थी। इससे सवाल उठ रहे हैं कि क्या स्थानीय पुलिस इस जुआ अड्डे की गतिविधियों से अनजान थी या जानबूझकर इसे नजरअंदाज कर रही थी।

निष्कर्ष

इस घटना ने एक बार फिर रंगीला टाउनशिप की बदनामी को उजागर कर दिया है। इलाके के लोगों ने मांग की है कि प्रशासन ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से लगाम लगाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे।

युवक ने पुलिस से बचने के लिए लगाई छलांग

पुलिस कार्रवाई के दौरान, एक युवक, जिसका नाम सोनू पटेल बताया जा रहा है, ने पुलिस से बचने के लिए छत से नीचे छलांग लगा दी। इस हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने उसे तुरंत पकड़कर इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल पहुंचाया।

स्थानीय लोगों में भय और गुस्सा

रंगीला टाउनशिप लंबे समय से अवैध गतिविधियों का अड्डा बना हुआ है। इस घटना ने एक बार फिर इलाके की स्थिति को उजागर किया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस तरह के गोरखधंधों पर सख्त कार्रवाई की जाए और इलाके को सुरक्षित बनाया जाए।

पुलिस ने सभी पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

विदेशी शराब से भरा आइसर टेम्पो पकड़ा गया LCB ने 23.19 लाख का माल जब्त किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कामरेज क्षेत्र के नवागाम ने. हा. नं. 48 से LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) ने एक आइसर टेम्पो में विदेशी शराब की तस्करी करते हुए 12.43 लाख रुपये की शराब के साथ 23.19 लाख रुपये का माल जब्त किया।

मामले का विवरण

पुलिस ने टेम्पो की तलाशी के दौरान प्लास्टिक स्पॉन्ज के नीचे छुपाकर ले जाई जा रही शराब को पकड़ा। इस कार्रवाई के दौरान शराब की बोतलें बरामद हुईं, जो अवैध तरीके से लायी जा रही थीं।

जब्त माल

-विदेशी शराब: 12.43 लाख रुपये

-कुल जब्त माल: 23.19 लाख रुपये

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। यह ऑपरेशन पुलिस द्वारा अवैध शराब तस्करी को रोकने के प्रयासों के तहत किया गया था।

LCB पुलिस ने कामरेज से विदेशी शराब से भरा आइसर टेम्पो पकड़ा: 23.19 लाख का माल जब्त

एलसीबी पुलिस को पूर्व सूचना मिली थी कि एक आइसर टेम्पो(नं. MH-04-HY-2245) में विदेशी शराब का एक बड़ा जखीरा पलसाणा से आ रहा है। इसके बाद पुलिस ने इस सूचना के आधार पर कामरेज के नवागाम ने. हा. नं. 48 पर मनिषा होटल के सामने घेराबंदी की और टेम्पो को रोक लिया।

घटनाक्रम

- टेम्पो के चालक ने शराब की तस्करी करते हुए प्लास्टिक स्पॉन्ज के नीचे विदेशी शराब का जखीरा छुपाकर ले जाया था।

- एलसीबी पुलिस ने टेम्पो की तलाशी ली और कुल 53 लाख 19 हजार रुपये का माल जब्त किया।

- पुलिस ने इस कार्रवाई से तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है और मामले की जांच जारी है।

यह कार्रवाई एलसीबी की सतर्कता और सूचना आधारित कामकाजी रणनीति का परिणाम थी।

LCB पुलिस ने विदेशी शराब से भरा आइसर टेम्पो पकड़ा, 23.19 लाख का माल जब्त

एलसीबी पुलिस को मिली जानकारी के आधार पर, जब आइसर टेम्पो को कामरेज के नवागाम ने. हा. नं. 48 पर रोका गया, तो टेम्पो की जांच में प्लास्टिक स्पॉन्ज के नीचे विदेशी शराब का बड़ा जखीरा मिला।

जब्त माल

-विदेशी शराब : 12,43,800 रुपये की 8772 बोतलें

-आइसर टेम्पो : 10 लाख रुपये की कीमत

-मोबाइल फोन : 10,000 रुपये का (नं. 02)

-नकद राशि : 3,600 रुपये

-प्लास्टिक स्पॉन्ज : 62,684 रुपये की कीमत

कुल मिलाकर 23 लाख 19 हजार 084 रुपये का माल जब्त किया

गया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है, और तस्करी के मामले में कार्रवाई जारी है।

LCB ने विदेशी शराब तस्करी मामले में कार्रवाई की, तीन आरोपियों को वांछित घोषित किया

एलसीबी पुलिस ने प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर टेम्पो चालक सुरेश जुगल पटेल (जो दपाडा गांव का निवासी है) को गिरफ्तार किया।

इसके अलावा, पुलिस ने विदेशी शराब की तस्करी में शामिल दो अन्य आरोपियों को वांछित घोषित किया है:

1.सुबेर,जिसने शराब का जखीरा टेम्पो में भरवाया।

2.यादव ट्रांसपोर्ट(अंकलेश्वर, जी. भरूच), जिसने शराब का जखीरा मंगवाया।

पुलिस इन दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

ONGC ब्रिज से तापी में कूदने वाले प्रेमीपंखी युवक का शव मिला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

चार दिन पहले ONGC ब्रिज से तापी नदी में कूदने वाले युवक का शव बरामद किया गया। युवक की पहचान प्रेमीपंखी के रूप में हुई, और उसकी मौत के बाद स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस घटना के कारणों की छानबीन कर रही है।

चार दिन पहले 18 वर्षीय युवक ने 22 वर्षीय प्रेमिका के साथ आत्महत्या कर ली थी। युवक और प्रेमिका दोनों ONGC ब्रिज से तापी नदी में कूद गए थे। युवक का शव मिल गया है, लेकिन प्रेमिका का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने प्रेमिका की तलाश जारी रखी है और मामले की जांच कर रही है।

चार दिन पहले मघदल्ला के पास ONGC ब्रिज पर बाइक छोड़कर तापी नदी में कूदने वाले प्रेमी जोड़े में से प्रेमी युवक का शव मिला

जिसके बाद पुलिस ने अक्सीडेंटल डेथ की रिपोर्ट दर्ज की।

सूरत के समुद्र तट पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए तीन दिवसीय बीच फेस्टिवल का आयोजन

सूरत के समुद्र तटों और पर्यटन स्थलों को उजागर करने और पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गुजरात पर्यटन निगमऔर सूरत जिला प्रशासन द्वारा सूरत के पास स्थित सुआली समुद्र तट पर बीच फेस्टिवल-2024 का आयोजन किया जाएगा। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 20, 21 और 22 दिसंबर को आयोजित होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई जानकारी

बीच फेस्टिवल के आयोजन को लेकर सूरत सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गुजरात के वन और पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेश पटेल ने की। मंत्री ने बताया कि यह फेस्टिवल सूरत के समुद्री तटों की सुंदरता को प्रदर्शित करेगा और स्थानीय एवं विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने का प्रयास करेगा।

फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य

- सूरत और इसके आस-पास के समुद्री तटों को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना।
- गुजरात की संस्कृति, हस्तशिल्प और व्यंजनों को बढ़ावा देना।
- स्थानीय लोगों और पर्यटकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करना।

प्रशासन का सहयोग

फेस्टिवल को सफल बनाने के लिए गुजरात पर्यटन निगम, जिला प्रशासन और स्थानीय निकायों ने मिलकर व्यापक तैयारी की है। कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, एडवेंचर स्पोर्ट्स, ऊंट और घुड़सवारी जैसे कई आकर्षण होंगे।

यह फेस्टिवल न केवल पर्यटन को प्रोत्साहित करेगा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगा।

सुआली बीच के विकास पर 48 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे

पर्यटन को गति देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने तीन दिवसीय सुआली बीच फेस्टिवल-2024 का लगातार दूसरे वर्ष भी आयोजन किया है।

सुआली और डुमस बीच का विकास

राज्य सरकार ने सूरत के डुमस बीच के साथ-साथ सुआली बीच को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। इसके तहत सुआली बीच के विकास पर 48 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

उद्देश्य

- समुद्री पर्यटन को प्रोत्साहित करना।
- अधिक से अधिक पर्यटकों को सूरत के समुद्र तटों की ओर आकर्षित करना।
- स्थानीय विक्रेताओं और स्टॉल धारकों को रोजगार के अवसर प्रदान करना।
- स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना और समुद्र तटों को व्यवस्थित रूप से विकसित करना।

सरकार और प्रशासन की भूमिका

राज्य सरकार और जिला-तालुका प्रशासन ने इस फेस्टिवल का आयोजन यह सुनिश्चित करने के लिए किया है कि पर्यटक समुद्र तटों का आनंद लें और स्थानीय लोगों को व्यापार एवं रोजगार के अवसर प्राप्त हों।

सुआली बीच फेस्टिवल न केवल स्थानीय पर्यटन को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि गुजरात को पर्यटन के नक्शे पर एक विशेष स्थान दिलाने में भी मदद करेगा।

बीच का विकास चरणबद्ध तरीके से तीन वर्षों में होगा पूरा

वन एवं पर्यावरण मंत्री मुकेश पटेल ने जानकारी दी कि राज्य सरकार ने सुआली बीच के विकास के लिए लगभग 28 करोड़ रुपये की ग्रांट स्वीकृत की है। इस विकास कार्य में सर्किट हाउस, सड़कें, पानी, शौचालय और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

SUDA की बड़ी भूमिका

सूरत अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (SUDA) ने अपने पिछले बजट में सुआली बीच के विकास के लिए 20 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी। यह विकास कार्य चरणबद्ध तरीके से तीन वर्षों में पूरा किया जाएगा।

प्रमुख विकास कार्य

1.10 मीटर चौड़ी सड़क: सुआली बीच तक पहुंचने के लिए एक 10 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया गया है।

2. गेस्ट हाउस और शौचालय: बीच पर पर्यटकों की सुविधा के लिए गेस्ट हाउस और शौचालय बनाए जाएंगे।

3.एडवेंचर स्पोर्ट्स: साहसिक खेलों के शौकीनों के लिए एडवेंचर स्पोर्ट्स की व्यवस्था होगी।

4.हस्तशिल्प और वन विभाग स्टॉल: हस्तशिल्प के प्रेमियों और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग और स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे।

उद्देश्य

सुआली बीच के विकास का उद्देश्य न केवल पर्यटकों को आकर्षित करना है, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर प्रदान करना भी है। इस परियोजना के माध्यम से क्षेत्र की आर्थिक और सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा दिया जाएगा। सुआली बीच का यह नया रूप इसे एक प्रमुख पर्यटक स्थल में बदलने के साथ-साथ पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा।

बीच फेस्टिवल में काइट फ्लाइंग एक्टिविटी का आयोजन

सुआली बीच फेस्टिवल-2024 में बच्चों और परिवारों के मनोरंजन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रमुख आकर्षण

1.काइट फ्लाइंग एक्टिविटी: इस वर्ष फेस्टिवल में इंटरनेशनल काइट फ्लायरऔर डिज़ाइनर संस्था 'Fly-365' द्वारा मास अवेयरनेस की थीम के साथ काइट फ्लाइंग एक्टिविटी आयोजित की जाएगी। यह गतिविधि पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगी।

2. फूड कोर्ट और स्टॉल: सूरत की स्वादी जनता के लिए 100 से ज्यादा फूड स्टॉल्स होंगे, जहां परंपरागत व्यंजन जैसे नागली की वांगी, डांगी डिश, उम्बाडीयु सहित विभिन्न प्रकार की खाने-पीने की चीज़ें उपलब्ध होंगी।

3.क्राफ्ट और शॉपिंग स्टॉल: शॉपिंग और हस्तशिल्प प्रेमियों के लिए क्राफ्ट स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां स्थानीय और पारंपरिक कला के सामान उपलब्ध होंगे।

4.फोटो कॉर्नर और सेल्फी प्वाइंट:परिवार और मित्रों के साथ यादगार पल कैद करने के लिए फोटो कॉर्नर और सेल्फी प्वाइंट की व्यवस्था की जाएगी।

5.बच्चों के लिए मनोरंजन ज़ोन:

बच्चों के लिए एक विशेष मनोरंजन ज़ोन भी बनाया जाएगा, जहां वे खेल और गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।

यह फेस्टिवल न केवल बच्चों और परिवारों के लिए शानदार मनोरंजन का अवसर होगा, बल्कि सूरत के समुद्र तटों को और अधिक आकर्षक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

बीच फेस्टिवल में किंजल दवे और स्थानीय कलाकारों का लाइव परफॉर्मेंस

सुआली बीच फेस्टिवल-2024 का उद्घाटन 20 दिसंबर को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पटेल के हाथों किया जाएगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध लोक गायिका किंजल दवे लाइव परफॉर्मेंस देंगी, जो दर्शकों का मनोरंजन करेंगी।

प्रमुख कार्यक्रम

1. 21 दिसंबर: इस दिन गोपाल साधु लोक-डायरा का आयोजन किया जाएगा, जो एक अद्वितीय सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करेगा।

2. 22 दिसंबर: इस दिन स्थानीय कलाकारों द्वारा गज़ल संध्या और टेरिफिक बैंड का लाइव शो आयोजित किया जाएगा, जो संगीत प्रेमियों के लिए खास होगा।

अन्य आकर्षण

-ऊंट और घोड़े की सवारी

-फूड कोर्ट और क्राफ्ट स्टॉल

-फोटो कॉर्नर और सेल्फी प्वाइंट

-देशी और पारंपरिक खेलों का आयोजन

पर्यटकों को सुआली समुद्र तट पर एक खुशहाल और मस्ती से भरे माहौल का अनुभव होगा, जहां वे न केवल सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे, बल्कि विभिन्न प्रकार के खाने-पीने और शॉपिंग का भी मजा ले सकेंगे।

सुआली बीच तक पहुंचने के लिए विशेष व्यवस्था

सुआली बीच फेस्टिवल-2024 के लिए पर्यटकों की सुविधा के लिए गुजरात वाहन परिवहन विभाग औरबी.आर.टी.एस. सूरत नगर निगम द्वारा 20, 21 और 22 दिसंबर को सूरत के विभिन्न 25 रूट्स से सुआली बीच जाने के लिए बस सेवा की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह व्यवस्था पर्यटकों को सहजता से समुद्र तट तक पहुंचने में मदद करेगी।

सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं

- फायर और एम्बुलेंस सेवाएं:कार्यक्रम स्थल पर किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड, लाइफ गार्ड्स, एम्बुलेंस और स्वास्थ्य टीम को स्टैंड बाय पर रखा जाएगा।
- ट्रैफिक व्यवस्था: पुलिस विभाग द्वारा कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक नियमों को सही से लागू करने के लिए व्यवस्था की गई है।
- पार्किंग: सुआली बीच के पास पाँच अलग-अलग पार्किंग प्लॉट्स बनाए गए हैं, ताकि पर्यटकों को पार्किंग में कोई परेशानी न हो।

यह सभी इंतजामात सुनिश्चित करेंगे कि फेस्टिवल के दौरान पर्यटकों को कोई भी असुविधा न हो और वे समुद्र तट पर बिना किसी समस्या के मस्ती कर सकें।